छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg No-CHHHIN/2020/87351

वर्ष - 05 अंक - 76 बैकुंठपुर, बुधवार 18 दिसम्बर 2024 पृष्ठ -8 मूल्य -1

www.cgfrontline.com

अपने जन्मदिवस पर मुख्यमंत्री द्वारा न्योता भोजन की शुरूआत का समाज में गया साकारात्मक संदेश

जिले में 2781 न्योता भोज का हुआ सफल आयोजन

न्योजा भोज से स्कूली बच्चों को मिल रहा है पौष्टिक आहार

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने गृह ग्राम बगिया में आश्रम शाला के बच्चों को अपने जन्मदिवस पर न्योता भोजन कराने की जो शुरूआत की थी इसका एक सकारात्मक संदेश समाज के बीच गया है। इसे समाज द्वारा आत्ससात करते हुए आगे बढ़ाया भी जा रहा है। अब तक समाज और विभिन्न संगठन जशपुर जिले के 2275 स्कूलों में 2781 न्योता भोज का आयोजन कर अन्नदान की इस महान परंपरा का निर्वहन कर चुके हैं। छत्तीसगढ़ में 30 हजार स्कूलों में 75 हजार से अधिक बार न्योता भोज का सफल आयोजन किया जा चुका है।

हमारे शास्त्रों में भी अन्नदान को महादान की संज्ञा दी गई है। दान देने की परम्परा हमारे समाज में प्राचीन काल से चली आ रही है। छत्तीसगढ़ में फसल की खुशी में छेरछेरा पर्व में दान देने की परंपरा है। छत्तीसगढ़ सरकार बच्चों में कुपोषण दूर करने के लिए समाज की इसी परम्परा का सहारा ले रही है। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना में समुदाय की भागीदारी जोड़ते हुए न्योता भोजन की अनूठी पहल की गई है। छत्तीसगढ़ में स्कूली बच्चों को अब नियमित रूप से मिल रहे भोजन के अलावा समाज के अग्रणी और सक्षम लोगों के जरिए न्योता भोजन में पौष्टिक और रूचिकर खाद्य सामग्री मिलेगी। 'न्योता भोजन' तीन प्रकार के हो सकते हैं - पूर्ण भोजन (शाला की सभी कक्षाओं हेतु), आंशिक पूर्ण भोजन (शाला के किसी कक्षा विशेष हेतु), अतिरिक्त पूरक पोषण सामग्री। दान-दाताओं द्वारा प्रदान किया जाने वाला खाद्य पदार्थ अथवा सामग्री उस क्षेत्र के खान-पान की आदत (फुड हैबिट) के अनुसार होनी चाहिए। पूर्ण भोजन की स्थिति में नियमित रूप से दिये जाने वाले भोजन के समान बच्चों को दाल, सब्जी और चावल सभी दिया जाना है। फल, दूध, मिठाई, बिस्किट्स, हलवा, चिक्की, अंकुरित खाद्य पदार्थ जैसे सामग्री, जो बच्चों को पसंद हो का चुनाव अतिरिक्त पूरक पोषण सामग्री के रूप में किया जा सकता है। पौष्टिक एवं स्वादिष्ट मौसमी फलों का चयन भी पूरक पोषण सामग्री के रूप में किया जा सकता है। दानदाता स्कूली बच्चों को मौसमी फल, दूध, मिठाई, बिस्किट, हलवा, अंकुरित खाद्य पदार्थ आदि वितरित कर सकते हैं। न्यौता भोजन के लिए बच्चों की रूचि के अनुरूप दानदाता खाद्य पदार्थ का चयन कर सकते हैं।

इस योजना के संचालन के लिए शाला विकास समिति को जिम्मेदारी सौंपी गई है। न्योता भोजन प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना मध्यान्ह भोजन में सामुदायिक जन भागीदारी पर आधारित इस कार्यक्रम का आयोजन विभिन्न संस्थाओं में जनप्रतिनिधि, पालक, समुदाय के सदस्य एवं शिक्षकों के माध्यम से करवाया जाता है। न्योता भोजन विभिन्न त्योहारों या अवसरों जैसे वर्षगांठ, जन्मदिन, विवाह और राष्ट्रीय पर्व आदि पर भारतीय परम्परा पर आधारित है। न्योता भोजन छात्र-शिक्षक एवं पालक समुदाय के बीच अपनेपन की भावना को विकसित करने का जरिया तो है ही साथ-साथ पोषण युक्त एवं रूचिकर भोजन दिए जाने से बच्चों की शालाओं में उपस्थिति में वृद्धि होती है। न्योता भोजन का एक अन्य उद्देश्य शाला एवं स्थानीय समुदाय के मध्य आपसी तालमेल को विकसित करना भी है।

कलेक्टर श्री व्यास ने ली साप्ताहिक समय-सीमा बैठक

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास ने आज कलेक्टोरेट सभा कक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक लेकर मुख्यमंत्री जनदर्शन, मुख्यमंत्री के घोषणा, पेंशन के प्रकरण, कलेक्टर जनदर्शन और समय-सीमा के लंबित प्रकरणों का निराकरण गंभीरता से करने के निर्देश दिए और सभी अधिकारियों को अपने विभाग से संबंधित लंबित आवेदनों को स्वयं समीक्षा करने के लिए कहा है। कलेक्टर ने पीएम जनमन योजना के तहत विशेष पिछड़ी जनजाति को आधार, पीएम जनधन खाता, आयुष्मान कार्ड, जाति प्रमाण-पत्र, वन अधिकारी पत्र, राशन कार्ड, पीएम आवास, पेंशन सहित अन्य योजना की भी जानकारी ली और छूटे हुए हितग्राहियों को योजना के तहत् लाभान्वित करने के लिए कहा है। बैठक में जशपुर एसडीएम ओंकार यादव, कुनकुरी एसडीएम नंदजी पण्डेय, पत्थगांव एसडीए सुश्री आकांक्षा त्रिपाठी, बगीचा सडीएम ऋतुराज बिसेन, फरसाबहार एसडीएम आर.एस.लाल, डिप्टी कलेक्टर सहित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

तालाब में पत्थर से बंधा मिला युवक का शव

जशपुर पुलिस ने 36 घंटे में सुलझाई अंधे कत्ल की सनसनीखेज वारदात

छ.ग.फ्रंटलाइन

कुनकुरी। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 15/12/2024 को कोटवार प्रेम प्रकाश राम पिता बंधु राम द्वारा सूचना दी गई कि ग्राम काटाबेल सिलफरी डेम में एक अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा है, जिसमे से बदबू आ रही है। सूचना पर मनोरा पुलिस द्वारा घटना स्थल में जाकर डेम से पानी निकलवाकर कर शव का बारीकी से निरीक्षण करने पर पाया की शव के गले व कमर में गमछा नुमा रस्सी से शव को बांधकर पानी में डुबोया गया है, जिस पर मनोरा पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर पीएम कराने पश्चात प्रथम दृष्टया हत्या का मामला प्रतीत होने पर आस पास के ग्रामों से जानकारी ली गई, जिससे पुलिस को मालूम चला की उक्त मृतक का नाम चूडरु उर्फ अनमोल पिता चैतराम उम्र 21 वर्ष निवासी तिलटांगर चौकी मनोरा है।

जशपुर पुलिस द्वारा हत्या की गुत्थी सुलझाने हेतु मुखबिरी का जाल फैलाया गया, इसी दौरान एक मुखबिर से सूचना मिली की मृतक के शव के गले में जो गमछा मिला है, व कलिंदर उम्र 27 वर्ष निवासी तिल टांगर द्वारा उपयोग किया जाता रहा है , उसी गमछे को लेकर जांच में पता चला की मृतक कुछ दिन पहले ग्राम तिलटांगर चौकी मनोरा के कलिंदर, महेंद्र व धरमू के साथ घूमता हुआ पाया गया था, जिस पर मनोरा पुलिस द्वारा उनको हिरासत में ले कर मनोवैज्ञानिक तरीके से पूछताछ करने पर आरोपी टूट गए और बताया कि वे तीनो कलिंदर, महिंदर व धरमू सभी निवासी तिलटांगर चौकी मनोरा, मृतक चूडरु उर्फ अनमोल पिता चैतराम उम्र 21 वर्ष निवासी तिलटांगर चौकी मनोरा जो कुछ दिन पहले जेल से जमानत पर आया था।

उसके साथ दिनांक 2/12/24 को मुर्गा खाने के नाम से मनोरा हेतु जा रहे थे कि रास्ते में सभी ने साथ बैठकर दारू भी पी, इसी दौरान किसी पुरानी बात को लेकर आरोपियों व मृतक में विवाद होने से कलिंदर व महिंदर तथा धरमू द्वारा गमछा से मृतक की गला घोंट कर व सराई लकड़ी के डंडे से मारकर हत्या कर दी गई साथ ही उसी रात को तीनो आरोपी मिलकर साक्ष्य छुपाने के उद्देश्य से शव के गला व कमर में गमछा से पत्थर बांधकर ग्राम कटाबेल सिलफिरी डेम में फेंक दिए थे। पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह (भा पु से) के दिशा निर्देश व मार्गदर्शन में आरोपी कलिंदर उम्र 24 वर्ष, महिंदर उम्र 23 वर्ष, धरमू उम्र 24 वर्ष के विरुद्ध चौकी मनोरा में अपराध क्रमांक183/24, भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1),238 के तहत् मामला दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है। उक्त मामले के खुलासे एवम आरोपियों की गिरफ्तारी में पुलिस अनुविभागीय अधिकारी जशपुर श्री चंद्र शेखर परमा, सहायक उप निरीक्षक श्री जय सिंह मिर्रे, आरक्षक प्रदीप किंडो, भीखराम भगत की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह (भा. पु. से) ने कहा की अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाने में मुखबिर की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, पुलिस द्वारा त्वरित गति से कार्यवाही करते हुए सभी आरोपियों को हिरासत में लिया गया है। प्रकरण सुलझाने में शामिल सभी अधिकारियों) कर्मचारियों को नगद इनाम से पुरस्कृत किया जावेगा।

धान उठाव में लाए तेजी: कलेक्टर

घर-घर नल से जल पहुंचाने के कार्य में तेजी लाने पर जोर

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा बैठक लेते हुए विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर योजनाओं को गति देने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने धान खरीदी प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए विपणन अधिकारी और राइस मिलर्स को धान उठाव में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने नोडल अधिकारियों को धान खरीदी केंद्रों की जानकारी हर शनिवार ऑनलाइन अपडेट करने को कहा। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए पर्याप्त हमाल और मजदूरों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही अवैध धान के परिवहन और भंडारण पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए। जल जीवन मिशन और सौर ऊर्जा कार्यों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने जिले के हर घर में नल से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के कार्य में तेजी लाने को कहा। उन्होंने अधूरे सौर ऊर्जा कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने और पीएम सूर्य घर योजना के प्रचार-प्रसार पर जोर दिया ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें। कलेक्टर ने जाति-निवास प्रमाण पत्र वितरण की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी और महिला एवं बाल विकास विभाग को आंगनबाड़ी केंद्रों में आने वाले बच्चों के प्रमाण पत्र समय पर बनाने तथा दस्तावेजों की कमी होने पर पालकों से संपर्क करने के निर्देश दिए। राजस्व विभाग की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने बंटवारा, नामांतरण और फौती जैसे प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने को कहा। जनदर्शन, पीजी पोर्टल और जन समस्या निवारण शिविरों में आए आवेदनों पर तेजी से कार्य करने के भी निर्देश दिए। आज जनदर्शन कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर के समक्ष आवेदकों ने अपनी समस्याएं प्रस्तुत कीं। कलेक्टर ने सभी आवेदनों को तत्काल संबंधित अधिकारियों को सौंपकर समय-सीमा के भीतर समाधान सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी, अपर कलेक्टर सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

दिव्यांग अनूप सिंह को कलेक्टर ने मोटराइज्ड ट्रायसिकल प्रदान कर दी बड़ी राहत

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। जनदर्शन कार्यक्रम के तहत कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने नरवापारा-सरभोका निवासी अस्थि बाधित दिव्यांग अनूप सिंह को मोटराइज्ड ट्रायसिकल प्रदान किया। अनूप सिंह ने जनदर्शन में अपनी समस्या रखते हुए आवागमन में आने वाली कठिनाई की

जानकारी दी। उनकी आवश्यकता को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने तत्काल निर्णय लेकर उन्हें मोटरराइज्ड ट्रायसिकल वितरित करवाया। कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने कहा कि जरूरतमंदों की मदद करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। यह मोटराइज्ड ट्रायसिकल अनूप सिंह के जीवन में एक नई सहजता और आत्मनिर्भरता लाने में सहायक सिद्ध होगी। मोटराइज्ड ट्रायसिकल मिलने पर अनूप सिंह ने प्रशासन और कलेक्टर का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे उनकी दैनिक जीवन की कठिनाइयां दूर होंगी और वे अपने कार्य आसानी से कर सकेंगे।

जनदर्शन कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने कलेक्टर द्वारा त्वरित निर्णय लेकर सहायता प्रदान करने की प्रशंसा की। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ आशुतोष चतुर्वेदी, समाज कल्याण विभाग के उप संचालक श्री आलोक भुवाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

पटना में रक्तदान एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन-22 यूनिट रक्तदान और 115 मरीजों का उपचार

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। सरकार गठन के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, पटना में रक्तदान एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पंचायत पटना अध्यक्ष श्रीमती गायत्री सिंह और पार्षद सुनील सिंह एवं श्रीमती नाजमा बेगम के द्वारा किया गया।

शिविर में स्वेच्छा से 22 यूनिट रक्तदान किया गया, जिसमें पंडित ज्वाला प्रसाद उपाध्याय शासकीय महाविद्यालय पटना, नगर पंचायत पटना और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। स्वास्थ्य शिविर में 115 मरीजों की जांच एवं उपचार किया गया। इस दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों को जरूरी परामर्श और चिकित्सा सेवाएं प्रदान कीं।

कार्यक्रम को सफल बनाने में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. बलवंत सिंह, बीपीएम तबिता भगत, बीईटीओ अमृत लाल टुंडे और पटना चिकित्सालय के डॉक्टरों एवं स्टाफ नर्सों का विशेष योगदान रहा। जनप्रतिनिधियों ने रक्तदाताओं की सराहना करते हुए कहा, 'रक्तदान महादान है, इससे कई जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। ऐसे आयोजन समाज में स्वास्थ्य और सेवा भाव को मजबूत करते हैं।' इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने लोगों से नियमित स्वास्थ्य जांच करवाने और रक्तदान के लिए आगे आने की अपील की।

एसडीएम अभिलेख शुद्धता, डिजिटल हस्ताक्षर, नक्शा अद्यतीकरण के कार्यो को प्राथमिकता से करें: कलेक्टर

जशपुरनगर। कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर नामांतरण, खाता विभाजन, सीमांकन, भू अभिलेख सुधार, अभिलेख शुद्धता, नक्शा बटांकन, व्यपवर्तन, खाता विभाजन, अभिलेख डिजिटलीकरण एवं अन्य राजस्व संबंधित लंबित प्रकरणों का समय-सीमा के भीतर निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने पूर्व में लंबित प्रकरणों का निराकरण भी प्राथमिकता से करने को कहा। उन्होंने अविवादित नामांतरण के प्रकरणों को समय-सीमा के भीतर निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। सीमांकन के प्रकरणों को भी गंभीरता से लेने के लिए कहा है। इसके साथ ही आधार प्रविष्टि के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने अभिलेख शुद्धता, डिजिटल हस्ताक्षर, नक्शा अद्यतीकरण के कार्यो को भी सभी एसडीएम को प्राथमिकता से करने के लिए कहा है। उन्होंने सभी एसडीएम को स्कूली बच्चों के लिए जाति प्रमाण पत्र बनाने हेतु विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों के साथ समन्वय कर शिविरों का आयोजन करने के निर्देश दिए। साथ ही अपार आई.डी बनाने के लिए कई प्रकरणों में जन्म प्रमाण-पत्र की आवश्यकता को देखते हुए एसडीएम अपने-अपने अनुविभाग अंतर्गत समस्त शैक्षणिक संकुलों में तिथिवार जन्म प्रमाण-पत्र शिविर का आयोजन करते हुये यथाशीघ्र जन्म प्रमाण पत्र जारी करने को कहा गया है।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने किया जिला जेल बैकुंठपुर का निरीक्षण

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशानुसार कोरिया जिले के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मो. रिजवान खान ने जिला जेल बैकुंठपुर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जेल में निरुद्ध बंदियों को उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की और व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान प्रधान जिला न्यायाधीश ने जेल परिसर में इंफ्रास्ट्रक्चर, बंदियों के बैरक, उपयोग में लाए जाने वाले शौचालयों की स्थिति और साफ-सफाई का अवलोकन किया। उन्होंने बंदियों को परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता की जांच की और बंदियों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। इसके अलावा, उन्होंने जेल में स्थापित लीगल एड क्लिनिक का भी निरीक्षण किया और बंदियों को विधिक सहायता प्रदान करने के लिए की जा रही व्यवस्थाओं की जानकारी ली। प्रधान जिला न्यायाधीश ने जेल अधीक्षक को निर्देश दिया कि गरीब एवं जरूरतमंद बंदियों को विधिक सहायता और परामर्श देने की प्रक्रिया को और प्रभावी बनाया जाए।

निरीक्षण के दौरान मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट समीर कुजूर, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती अमृता दिनेश मिश्रा, जेल अधीक्षक शेख आबिद रजा, जेल विजिटिंग लॉयर अजय सिंह और कम्युनिटी पीएलवी अजय राजवाड़े भी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने जनपद सीईओ और तकनीकी सहायकों की ली समीक्षा बैठक

जशपुरनगर। कलेक्टर ने जनपद पंचायत के सीईओ की बैठक लेकर प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छत भारत मिशन के तहत् शौचालय निर्माण, मनरेगा के कार्य, पीएम जनमन योजना सहित अन्य योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने सभी अधिकारी और तकनीकी सहायकों को सोमवार को मुख्यालय में अनिवार्य रूप से रहने के निर्देश दिए हैं और अपने क्षेत्रों का भ्रमण करके निर्माण कार्यो में तेजी लाने के लिए कहा है। कलेक्टर श्री व्यास ने समीक्षा के दौरान सभी तकनीकी सहायको से साप्ताहिक कार्यो की प्रगति की जानकारी ली और पत्थलगांव के स्वच्छ भारत मिशन के कलस्टर कोऑर्डिनेटर विदेश्वर पैंकरा का तीन माह का अवैतनिक करने के लिए कहा है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाना पड़ा महंगा, सोमनाथ भगत ने लगाया षड्यंत्र का गंभीर आरोप

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बलरामपुर। कीमत चुकानी पड़ रही है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में खुलासा किया कि शासकीय भूमि पर चल रहे अवैध कब्जों और खरीद-फरोख्त के खिलाफ आवाज उठाने पर उनके खिलाफ साजिश रचकर उनके जाति प्रमाण पत्र को निरस्त कर दिया गया।

भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने पर मिला साजिश का तोहफा

सोमनाथ भगत ने बताया कि वे लगभग 55 वर्षों से कुसमी क्षेत्र के निवासी हैं और लगातार भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत सेमरा में 15 एकड़ शासकीय भूमि पर दलालों और अधिकारियों की मिलीभगत से अवैध तरीके से भूमि खरीद-बिक्री हो रही थी। इसके खिलाफ उन्होंने शिकायत दर्ज कराई, लेकिन इसके बाद जिम्मेदार अधिकारियों ने उनके खिलाफ ही साजिश रच दी।

उनका कहना है कि यह साजिश उनके और उनके परिवार के जाति प्रमाण पत्र को लेकर की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके स्थायी जाति प्रमाण पत्र को द्वेषपूर्ण तरीके से फर्जी करार देकर निरस्त कर दिया गया।

शिकायत के बावजूद नहीं हुई कार्रवाई

सोमनाथ भगत ने ग्राम पंचायत सेमरा की आबादी भूमि खसरा क्रमांक 725/1, रकबा 5.964 हेक्टेयर पर बाहरी लोगों द्वारा किए गए अवैध कब्जे और खरीद-फरोख्त के खिलाफ अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कुसमी, तहसीलदार शशिकांत दुबे, और अन्य जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठाया था। इस संबंध में उन्होंने सरगुजा संभाग के आयुक्त, मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन, मुख्य सचिव, और पुलिस अधीक्षक बलरामपुर तक शिकायत की थी। उन्होंने कहा कि इन शिकायतों पर आज तक न तो

कोई कार्रवाई हुई और न ही कोई जांच पूरी हुई। उल्टा, बदले की भावना से उनके जाति प्रमाण पत्र को ही निरस्त कर दिया गया।

जाति प्रमाण पत्र के निरस्तीकरण पर उठाए सवाल

सोमनाथ भगत ने बताया कि इससे पहले भी उनके जाति प्रमाण पत्र की जांच हुई थी, जिसमें उनका प्रमाण पत्र सही पाया गया था। लेकिन अब वही प्रमाण पत्र गलत घोषित कर दिया गया है। उन्होंने पूछा है कि आखिर किस आधार पर एक अधिकारी उनके जाति प्रमाण पत्र को सही मानता है और दूसरा उसे फर्जी करार देता है।

उन्होंने आयुक्त सरगुजा संभाग से निष्पक्ष जांच की मांग की है और भरोसा जताया है कि इस बार जांच सही तरीके से होगी। उन्होंने यह भी कहा कि यदि जिम्मेदार अधिकारी फिर से पक्षपातपूर्ण जांच करते हैं, तो यह जनता के लिए हंसी और चिंता का विषय बन जाएगा।

परिवार पर भी पड़ रहा असर

सोमनाथ भगत ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने का असर उनके पूरे परिवार पर पड़ा है। उनका और उनके बच्चों का भविष्य अनिश्चितता में घिर गया है।

सरकार और प्रशासन पर सवाल

यह मामला स्थानीय प्रशासन और सरकार के रवैये पर भी सवाल खड़े करता है। अगर भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वालों को ऐसे परेशान किया जाएगा, तो आम जनता किससे न्याय की उम्मीद करेगी?

निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग

सोमनाथ भगत ने बलरामपुर कलेक्टर कार्यालय और कमिश्नर कोर्ट में न्याय की गुहार लगाई है। उन्होंने मांग की है कि उनके जाति प्रमाण पत्र को बहाल किया जाए और भ्रष्टाचार के मामलों की निष्पक्ष जांच की जाए। यह घटना स्पष्ट करती है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई आसान नहीं है। सोमनाथ भगत की कहानी उन लोगों के लिए चेतावनी है जो ईमानदारी से अन्याय के खिलाफ खड़े होते हैं।

लाखों रुपए से तैयार किया गया वर्मी कंपोस्ट खाद हुआ अनुपयोगी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। प्रदेश में वर्ष भर पूर्व हुए सत्ता परिवर्तन उपरांत महिला समूहों के माध्यम से तैयार किया गया वर्मी कंपोस्ट खाद अब गोदाम में ही अनुपयोगी पड़ा हुआ है। वर्मी कंपोस्ट खाद के पिछले वर्षों में किए गए बिक्री की लाखों रुपए का भुगतान भी आज तक लंबित पड़ा हुआ है। ऐसी स्थिति में नगर पंचायत प्रबंधन को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ गया है। गौरतलब है कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा प्रदेश भर में समूहों के माध्यम से गोबर खरीदी का कार्य कराकर महिलाओं को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाए जाने हेतु गोबर खरीदी कराकर उससे सुपर व वर्मी कंपोस्ट खाद का निर्माण कराकर सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को कृषि कार्य हेतु उपलब्ध कराया जा रहा था। इसी तारतम्य में शासन के मंशानुरूप करीब तीन वर्ष पूर्व नगर पंचायत बिश्रामपुर प्रबंधन द्वारा भी गोबर खरीदी करके वर्मी कंपोस्ट खाद एवं गिले कचरे से सुपर कंपोस्ट खाद का निर्माण कार्य एसएलआरएम सेंटर से कृतिका महिला समूह के माध्यम से कराया जा रहा था। जिसमें लाखों रुपए के तैयार किए गए सुपर व वर्मी कंपोस्ट खाद को जयनगर व प्रेमनगर समिति में बिक्री करके किसानों को उपलब्ध कराया गया था लेकिन उक्त कंपोस्ट खाद की लाखों रुपए के बकाया भुगतान को आज तक नगर पंचायत प्रबंधन को लाखों

रुपए प्राप्त नहीं हो सका है। लाखों रुपए के भुगतान वर्ष बाद भी प्राप्त न होने से नगर पंचायत प्रबंधन को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ गया है।

लाखों रुपए के वर्मी कंपोस्ट खाद जाम

नगर पंचायत बिश्रामपुर के एसएलआरएम सेंटर में तैयार किया गया करीब 300 क्विंटल वर्मी कंपोस्ट खाद जाम पड़ा हुआ है। जिसकी कीमत करीब तीन लाख रुपए बताई जा रही है। ऐसी स्थिति में नगर पंचायत प्रबंधन को डबल आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है।

भाकपा का राज्य स्तरीय सम्मेलन बिश्रामपुर में 19 व 20 को

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। भारत की कम्यूनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) का राज्यस्तरीय सम्मेलन 19 व 20 दिसंबर को एसईसीएल बिश्रामपुर के ऑडिटोरियम में आहूत की जाएगी। पार्टी प्रवक्ता ललन सोनी ने बताया कि सम्मेलन में प्रदेश भर से 150 प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। सम्मेलन का उदघाटन पोलित ब्यूरो सदस्य डॉ. राम चन्दर डोम करेंगे। सम्मेलन में देश के वर्तमान स्थिति विशेष कर बेरोजगारी, महंगाई, सांप्रदायिकता, मजदूर विरोधी चार श्रम कानून, कोयला सहित राष्ट्रीय संपत्ति के निजीकरण आदि विषय पर चर्चा कर आगामी आंदोलनों की रूपरेखा तय की जाएगी। सम्मेलन में आगामी तीन वर्ष के लिए नया नेतृत्व का चुनाव होगा। साथ ही अखिल भारतीय सम्मेलन के लिए प्रतिनिधियों का चुनाव होगा। सम्मेलन का समापन पार्टी के राष्ट्रीय सचिव मंडल सदस्य जोगेंदर शर्मा करेंगे।

गुरू घासीदास जयंती के उपलक्ष में हाई स्कूल दलधोवा में नशामुक्ति कार्यक्रम आयोजित

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के मार्गदर्शन में जिले में नशामुक्त भारत अभियान के तहत् समाज कल्याण विभाग द्वारा जिले के स्कूल, कॉलेजों में छात्र-छात्राओं के बीच जाकर नशामुक्ति हेतु जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। इसी कड़ी में 18 दिसम्बर 2024 को गुरूघासी दास जयन्ती के उपलक्ष्य में हाई स्कूल दलधोवा में नशा मुक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मे समाज कल्याण विभाग अधिकारियों द्वारा बाबा गुरु घासीदास के समाज सेवा एवं नशा के विरूद्ध किये गये कार्यों को विद्यालय के बच्चों को बताकर मद्य

निषेध हेतु जागरूक किया गया। कार्यक्रम में समाज कल्याण विभाग से उपसंचालक श्री चन्द्रमा यादव, साक्षर भारत के परियोजना अधिकारी श्री हीरालाल पटवा, पंचायत एवं समाज शिक्षा संगठक श्री चंडीकेश्वर सिंह एवं नशा मुक्ति केन्द्र एवं समाज कल्याण विभाग के कर्मचारियों द्वारा उपस्थित छात्राओं को नशा के दुष्प्रभावों के सम्बन्ध में जागरूक करते हुए बाबा गुरु घासीदास के जीवन से प्रेरणा लेने कहा गया। कार्यक्रम में उपसंचालक श्री चन्द्रमा यादव के द्वारा उपस्थित सभी छात्र, छात्राओं, शिक्षक एवं अन्य कर्मचारियों को नशा नहीं करने का शपथ भी दिलाया गया। इस दौरान विद्यालय के प्राचार्य, व्याख्याता सभी छात्र, छात्राएं उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रशिक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। पीएमश्री सेजेस जयनगर में विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में तकनीकी शिक्षा में छात्रों को निपुण बनाने के उद्देश्य से कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी अंतर्गत एसईसीएल मद से जीआर टेक्नो इंडिया द्वारा प्रत्येक विद्यालय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

इसी तारतम्य में सूरजपुर कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशानुसार प्राचार्य वीरेन्द्र जायसवाल के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया गया। विद्यालय के प्राचार्य वीरेंद्र जायसवाल ने कहा कि विद्यालय में छात्रों हेतु यह प्रशिक्षण कक्षा 9 वीं से 12 वीं तक के विद्यार्थियों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रशिक्षण आयोजित किया गया है। प्रशिक्षण दाता के रूप में अविनाश डांगी तथा उत्कर्ष मिश्रा ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस छात्रों को एआई का उपयोग की बुनियादी बातों का परिचय बताते हुए कहा कि व्यवहारिक उपयोग करने से मनुष्यों को चोट या नुकसान के जोखिम से रोकने ?में मदद करता है। मनुष्यों के स्थान पर एआई की कोर से जोखिम उठाने का एक उदाहरण उच्च विकिरण वाले क्षेत्र में उपयोग किया जाने वाले रोबोट होगें। उन्होंने इसके अंतर्गत कंप्यूटेशनल थिंकिंग, लॉजिकल थिंकिंग, पाइथन प्रोग्रामिंग लैंग्वेज के बारे जानकारी प्रदान की। साथ ही प्रोग्रामिंग लैंग्वेज, डिजिटल लिट्रेसी कोडिंग, डिजिटल उपकरण उपयोग की चुनौतियां, कोडिंग के माध्यम से रोजगार के अवसर व संभावना के विषय में भी विस्तृत जानकारी प्रदान की।आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रशिक्षण कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य सहित सभी शिक्षक सक्रिय रहे।

झूमरपारा में ग्रामीणों का आंदोलन आज तीसरे दिन भी जारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। बदहाल सड़क समेत अन्य मांगों को लेकर ग्रामीणों द्वारा किया जा रहा आंदोलन आज तीसरे दिन भी जारी रहा। कोल परिवहन कार्य बंद रहने से ट्रांसपोर्टरों को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। गौरतलब है कि ग्राम पंचायत झूमरपारा के ग्रामीणों द्वारा झूमरपारा मंदिर चौक से करंजी रेल्वे साइडिंग तक 3 किमी की सिंगल मार्ग के कोल परिवहन कार्य की वजह से काफी बदहाल होने से आमजन को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बदहाल सड़क के मरम्मत कार्य कराए जाने की मांग को लेकर पूर्व में भी कई बार ग्रामीणों द्वारा कोल परिवहन बंद कराकर हड़ताल किया जा चुका है। बदहाल सड़क के तत्काल मरम्मत कार्य कराए जाने की मांग को लेकर झूमरपारा के ग्रामीणों द्वारा पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत रविवार की सुबह से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर कोल परिवहन कार्य को नाकाबंदी कर पूरी तरह से बंद करा दिया गया है, जो आज तीसरे दिन भी

अनवरत जारी रहा। नाकाबंदी के पास ही ग्रामीणों द्वारा निगरानी कर कोल परिवहन कार्य पर नजर रखी जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक मांगों को पूरी तरह से पूर्ण नहीं किया जाएगा, तब तक हड़ताल जारी रहेगा। ज्ञात हो कि उक्त बदहाल सड़क मरम्मत कार्य हेतु तत्कालीन कलेक्टर रोहित व्यास की पहल पर एसईसीएल की क्षेत्रीय प्रबंधन के साथ आपसी तालमेल बना पीएमजीएसवाई द्वारा नवापारा चौक से मंदिर के पास से झूमरपारा होते हुए करंजी साइडिंग तक के करीब साढ़े तीन किलोमीटर तक हेतु करीब चार करोड़ रुपए के स्टीमेट को क्षेत्रीय प्रबंधन के माध्यम से कोल मुख्यालय बिलासपुर तक स्वीकृति हेतु भिजवा दिया गया था, लेकिन आज पर्यंत तक उक्त कार्य की स्वीकृति हेतु कोल मुख्यालय बिलासपुर से अनुमति नहीं मिलने की वजह से उक्त कार्य को नहीं कराया जा सका है।

पंचायत आरक्षण की कार्यवाही स्थगित

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। छत्तीसगढ़ शासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग नवा रायपुर के द्वारा प्राप्त निर्देशानुसार त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2024-25 हेतु प्रस्तावित आरक्षण की कार्यवाही को स्थगित किया गया है।

बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के समस्त ग्राम पंचायतों के वार्ड पंच, सरपंच के आरक्षण की कार्यवाही 17 दिसम्बर 2024 को संबंधित जनपद पंचायत के सभाकक्ष में प्रात: 10:00 बजे से एवं जनपद पंचायत सदस्य, अध्यक्ष एवं जिला पंचायत सदस्यों के आरक्षण की कार्यवाही 19 दिसम्बर 2024 को जिला पंचायत बलरामपुर के सभाकक्ष में प्रात: 11:00 बजे से आयोजित किया गया था। प्राप्त निर्देशानुसार उक्त आरक्षण की कार्यवाही को स्थगित किया गया है।

वीएम कालेज ने बेटी पढ़ाओ और बाल विवाह हटाने का अभियान किया शुरू

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। वीएम कालेज ऑफ नर्सिंग ने बेटियों को पढ़ाने और बाल विवाह को रोकने के लिए एक संकल्प कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व गृहमंत्री रामसेवक पैकरा थे। विशिष्ट अतिथि पूर्व भटगांव विधायक रजनी रविशंकर त्रिपाठी थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता वीएम कालेज के संचालक विजयराज अग्रवाल ने की। मुख्य अतिथि रामसेवक पैकरा ने कहा कि वीएम कालेज ऑफ नर्सिंग परिवार द्वारा आज जिस अभियान की शुरुआत की जा रही है, वाकई में यह सभी के लिए प्रेरणादायक है। हर परिवार की बेटियां पढ़ी लिखी अवश्य होनी चाहिए। इस योजना का उ?देश्य पक्षपात लिंग चुनाव की प्रक्रिया का उन्मूलन एवं बालिकाओं के अस्तित्व, सुरक्षा और शिक्षा को सुनिश्चित करने के लिये किया गया था। यह योजना बालिकाओं को सामाजिक एवं आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनाती है।साथ ही बाल विवाह से जुड़े मामलों पर अंकुश लगाने के लिए भी वीएम कालेज के शिक्षकों और विद्यार्थियों की टीम बहुत अच्छा कार्य करेंगी, इसकी में अपेक्षा करता हूं। विशिष्ट अतिथि रजनी त्रिपाटी ने कहा कि बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक

सामाजिक आंदोलन और समान मुल्यों को बढ़ावा देने के लिए वीएम नर्सिंग कालेज द्वारा जो जागरुकता अभियान प्रारंभ किया जा रहा है, वह प्रेरणादायक है। मेरे द्वारा भी इस अभियान के क्रियान्वयन में सहयोग की आवश्यकता होगी तो मैं जरूर पूरा करूंगी। बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के तहत बाल विवाह पर रोक लगाने, पीड़ितों को राहत देने और इस तरह के विवाह को बढ़ावा देने वालों के लिए सजा जैसे प्रावधान उपलब्ध कराता है, किन्तु उसके बाद भी जागरुकता के अभाव में ग्रामीण क्षेत्रों में यह कुप्रथा आज भी चली आ रही है, इस पर रोक लगाने के लिए वीएम कालेज निश्चित ही सकारात्मक कार्य करेगा। संचालक विजयराज अग्रवाल ने कहा कि बेटी पढ़ाओ और बाल विवाह हटाओ आज समाज की एक मूलभूत आवश्यकता है। उन्होने कहा कि बाल विवाह प्रतिषेध (संशोधन) विधेयक 2021 भी प्रभावी होना प्रस्तावित है। हम सभी ऐसे विद्यालयों में जाएंगे, जहां कि बालिकाएं पढ़ रही हैं और उनसे एक संकल्प लेगें कि वे परिवार व समाज के दवाब में न आएं और अपनी शिक्षा पूरी करें। 21 वर्ष की अवस्था पूर्ण होने के पश्चात ही विवाह हेतु अपनी सहमति दें। अगर बालिकाओं के साथ जबरदस्ती विवाह का दवाब डाला जाता है तो वे पंचायत प्रतिनिधियों एवं थाने में सम्पर्क कर सकती हैं। कार्यक्रम में वीएम कालेज की छात्राओं द्वारा स्वागत गान उपरांत आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि पूर्व गृहमंत्री रामसेवक पैकरा द्वारा सभी छात्र-छात्राओं को शपथ दिलाई गई। आभार व्यक्त प्राचार्य आदित्य सिंह द्वारा किया गया। मंच संचालन छात्रा रिंकी राजवाड़े एवं अंजु सोनी ने किया।

गुड़ लोड ट्रक अनियंत्रित होकर पलटा, चालक को मामूली चोट, इलाज जारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बलरामपुर। सोमवार रात लगभग 12 बजे दलधोवा गांव के समीप मोड़ पर गुड़ लोड ट्रक (क्रमांक सीजी 15 DM 1047) अनियंत्रित होकर पलट गया। घटना से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। गनीमत यह रही कि दुर्घटना में चालक को केवल मामूली चोटें आईं। राहगिरो लोगों की मदद से चालक को तुरंत जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। घटना की जानकारी मिलते ही हाईवे पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला।

चयनित अभ्यर्थियों के मूल दस्तावेजों का सत्यापन 19 को

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बलरामपुर (राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन) के अंतर्गत संविदा रिक्त पदों की भर्ती हेतु 07 व 08 दिसंबर 2024 को आयोजित लिखित/कौशल परीक्षा में उपस्थित अभ्यर्थियों का उत्तीर्ण/अनुत्तीर्ण एवं वरीयता सूची प्रकाशित करने उपरांत खण्ड कार्यक्रम प्रबंधक, ए.एन.एम., ए.एन.एम. आरबीएसके, चिकित्सा अधिकारी-आरबीएसके (पुरुष), चिकित्सा अधिकारी-आरबीएसके (महिला), क्लिनर एसएनसीयू, ओ.टी. टेक्निशियन, हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर संगवारी, फिजियोथेरापिस्ट-एनएचएम, आया बाई, सचिविक सहायक-टीकाकरण, सिक्योरिटी गार्ड, लैब टेक्नीशियन एनएचएम, लैब टेक्नीशियन-डीपीएचएल, नर्सिंग ऑफिसर-एनएचएम/आईसीयू, स्टाफ नर्स-एसएनसीयू, नर्सिंग ऑफिसर-आईसीयू, कनिष्ठ सचिविक सहायक एनएचएम, लैब सुपरवाइजर-एसटीएलएस, नर्सिंग ऑफिसर-एनएमएचपी, सचिविक सहायक-एसएनसीयू, आयुष चिकित्सा अधिकारी-एनएचएम, लैब असिस्टेंट-एनआईडीडीसीपी, काउंसलर-एनएचएम, स्टाफ नर्स-यूएचडब्ल्यूसी, पुरुष कार्यकर्ता-यूएचडब्ल्यूसी, कनिष्ठ सचिविक सहायक-यूएचडब्ल्यूसी एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी-यूएचडब्ल्यूसी के अभ्यर्थियों का चयन एवं प्रतीक्षा सूची प्रकाशित की जा रही है। जिसमें सिर्फ चयनीत अभ्यर्थियों का मूल दस्तावेज सत्यापन एवं काउंसलिंग 19 दिसम्बर 2024 को प्रात: 11:00 बजे से कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बलरामपुर के सभाकक्ष में आयोजित किया जायेगा। उपरोक्त पदों के चयनीत अभ्यर्थी मूल दस्तावेजों के साथ निर्धारित तिथि एवं समयानुसार उपस्थित होना सुनिश्चित करें। मूल दस्तावेजों के सत्यापन के दौरान अभ्यर्थियों के दस्तावेज में किसी प्रकार की त्रुटि होने पर विज्ञापन में उल्लेखित कंडिका क्रमांक 35 एवं 36 के अनुसार अथवा पद रिक्त होने पर प्रतीक्षा सूची के अभ्यर्थियों को अवसर प्रदान किया जायेगा, जिसके लिए पृथक से जानकारी प्रदान की जायेगी। चयनीत अथवा प्रतीक्षा सूची की विस्तृत जानकारी जिला बलरामपुर के वेबसाईट बलरामपुर डॉट जीओव्ही डॉट ईन एवं कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के सूचना पटल से प्राप्त किया जा सकता है।

जनभागीदारी समिति की बैठक में कई मुद्दों को दी गई स्वीकृति

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। शासकीय महाविद्यालय बिश्रामपुर की जन भागीदारी समिति की बैठक विश्वेश्वरैया आईसीटी कक्ष में सोमवार को संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष रितेश जायसवाल की अगुआई में हुई। बैठक में छात्र हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। महाविद्यालय प्राचार्य डीपी कोरी ने पिछले बैठक में लिए गए निर्णय एवं महाविद्यालय को नैक मूल्यांकन में प्राप्त ग्रेडिंग बी प्लस को उपस्थित जन भागीदारी समिति को बताया एवं अधूरे कार्य को पूरा करने की सहमति जताई गई। जन भागीदारी मद में सत्र 2024-25 में एजेंडा अनुसार छात्र हित में कई निर्णय लिए गए। महाविद्यालय की पुस्तकालय में पुराने सहायक लाइब्रेरियन की नियुक्ति की गई। पुस्तकालय में एन लिस्ट सत्र 2024-25 की राशि स्वीकृत की गई। महाविद्यालय द्वारा एकलव्य पुरस्कार सत्र 2023-24 से स्वीकृत की गई। जनभागी मद से कार्यरत कर्मचारियों के मानदेय में वृद्धि की गई।

खेल तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम में उत्कृष्ट छात्र-छात्राओं पुरस्कृत करने की बैठक में चर्चा की गई। महाविद्यालय के प्राध्यापकों द्वारा ज्वलनशील मुद्दों में किए गए सर्वे कार्य में प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गई। साथ ही प्राध्यापकों द्वारा सेमिनार के लिए रजिस्ट्रेशन फीस जन भागीदारी मद द्वारा देने की बात की गई। प्राचार्य डीपी कोरी ने महाविद्यालय में बाउंड्री वॉल नहीं होने की बात कही, जिस पर जनभागीदारी अध्यक्ष रितेश जायसवाल एवं उपस्थित सभी सदस्यों ने सहमति जताते हुए बाउंड्रीवाल न होने से असामाजिक तत्वों का जमावड़ा होने की बात कहते हुए शासन स्तर पर इसे शीघ्र पूरा कराने प्रयास किए जाने की बात कही।

बैठक में जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष समेत सांसद प्रतिनिधि अवनीश सिंह, सूरज सेठी, संत साहू कन्या हाईस्कूल के प्राचार्य आशीष भट्टाचार्य, डीएवी विद्यालय के प्राचार्य एचके पाठक, महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापक प्रियंका भगत, प्रशांत अग्रवाल, उद्योगपति अशोक जिंदल, सामाजिक कार्यकर्ता नीलू रानी कर, नंदलाल राजवाड़े व अन्य अभिभावक उपस्थित थे।

टल गए निकाय-पंचायत चुनाव : आरक्षण की प्रक्रिया भी स्थगित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में होने वाले नगरीय निकाय और त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव फिलहाल टल गए हैं। इस संबंध में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने प्रदेश के सभी कलेक्टरों को एक आदेश जारी कर कहा है कि त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओं के आरक्षण की कार्यवाही के लिए समय सारणी जारी की गई थी, अपरिहार्य कारणों से इसे स्थगित किया गया है। नगरीय निकायों के चुनाव के संबंध में शासन ने कोई आदेश जारी नहीं किया है। राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव ने इस संबंध में कहा है कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।

नगरीय चुनाव स्थगित- मुझे जानकारी नहीं

नगरीय निकाय चुनाव के लिए मेयर और अध्यक्ष के चुनाव के लिए आरक्षण की कार्यवाही के लिए विहित अधिकारी बनाए गए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के संचालक कुंदन कुमार ने कहा है उन्हें निकाय चुनाव टलने के संबंध में कोई जानकारी नहीं मिली है। कुंदन कुमार को तीन दिन पहले ही राज्य शासन ने निकाय चुनाव के लिए विहित अधिकारी बनाने का आदेश जारी किया था। पंचायतों के चुनाव टलने की खबरों के साथ ये जानकारी भी आ रही है कि राज्य में होने वाले नगरीय निकायों के चुनाव भी कुछ समय के लिए टल गए हैं। इस चुनाव के लिए भी सरकार ने काफी तैयारी कर ली थी। पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग की अनुशंसा के अनुरूप आरक्षण की प्रक्रिया तय कर ली गई है। इस चुनाव के सिलसिले में राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ नगर पालिका निगम संबंधी तीन अध्यादेश लाए गए थे। इन अध्यादेशों को सोमवार को विधानसभा सत्र के पहले दिन विधानसभा के पटल पर भी रखा जा चुका है। निकायों में वार्डों का परिसीमन पूरा कर लिया गया है। लेकिन निकाय चुनाव के लिए अभी तक आरक्षण की प्रक्रिया नहीं हुई थी। उच्च पदस्थ सूत्रों की मानें तो ये दोनों चुनाव कुछ समय के लिए टल गए हैं। इस संबंध में राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव नरेंद्र सर्वेश्वर भूरे से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है। राज्य शासन का यह आदेश जारी होने के पहले तक राज्य में पंचायतों के चुनाव की हलचल तेज थी।

सबसे पहले तो इन चुनावों के लिए ओबीसी को आरक्षण देने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग का गठन किया गया था। इस आयोग ने अपना काम पूरा करके राज्य शासन को अनुशंसा कर दी थी। राज्य सरकार ने आयोग की अनुशंसा को मंजूर किया था। यह तय हो गया था कि राज्य में ओबीसी को किस प्रकार आरक्षण दिया जाएगा। यहां तक प्रक्रिया होने के बाद राज्य शासन ने 11 दिसंबर को सभी कलेक्टरों को पत्र जारी कर पंचायतों में आरक्षण करने के लिए समय-सारिणी जारी कर दी थी। कलेक्टरों द्वारा इस आदेश पर काम किया जा रहा था। इसी बीच 16 दिसंबर को पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने एक नया आदेश जारी कर आरक्षण संबंधी कार्यवाही को स्थगित करने का आदेश जारी कर दिया है। इस आधार पर माना जा रहा है कि राज्य में फिलहाल पंचायतों के चुनाव टल गए हैं। अभी ये साफ नहीं है कि ये चुनाव कब होंगे।

चावल के स्टॉक में मिला अंतर, राइस मिल पर हुई कार्यवाही, किया गया सील

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर - कलेक्टर विलास भोसकर के निदेर्शानुसार संयुक्त दल राजस्व जिला विपणन अधिकारी, खाद्य, विद्युत, मण्डी एवं उद्योग विभाग द्वारा लुण्ड्रा स्थित माँ महामाया फुड प्रोडक्ट बहेराडीह मिल की जांच की गई। जाँच में मिल के संचालक अंकुर हाड़ा भी मौजूद रहे। उक्त जानकारी देते हुए खाद्य अधिकारी ने बताया कि मौके पर मिल का भौतिक सत्यापन किया गया जिसमें धान का स्टाक 13274 बोरी (मात्रा लगभग 5309. 60 क्विंटल) एवं चावल का स्टाक 2254.87 क्विंटल उपलब्ध पाया गया। संचालक द्वारा स्टाक रजिस्ट्रर मांगने पर प्रस्तुत नहीं किया गया तथा संचालक द्वारा कस्टम मिलिंग 2023-24 का सीएमआर चावल 8410 क्विंटल जमा किया जाना शेष है। उक्त जांच में संचालक के बयान अनुसार स्टाक में 1728 क्विंटल चावल का अंतर पाया गया है। धान और चावल वास्तविक में आंकलन करने पर 5812.30 क्विंटल एवं एफसीआई अमदला में 870 क्विं चावल जमा हेतु संचालक राईस मिल द्वारा भेजा गया है। चावल का स्टाक में अंतर पाये जाने एवं राईस मिल संचालक द्वारा सीएमआर चावल एफसीआई में जमा नहीं किये जाने के कारण मौके पर उपस्थित पंचगण के समक्ष धान का स्टाक 13274 बोरी (मात्रा लगभग 5309.60 क्विंटल) एवं चावल का स्टॉक 2254.87 क्विंटल जप्त कर मिल संचालक सुपुदर्गी में दिया गया एवं मिल को मौके पर सील किया गया।

19 दिसंबर से शुरू होगी रायपुर-अंबिकापुर हवाई यात्रा, सांसद चिंतामणि महाराज स्वयं आयेंगे पहली फ्लाइट से

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर / आगामी 19 दिसंबर को रायपुर अंबिकापुर हवाई यात्रा शुरू होगी। इस संबंध में सांसद चिंतामणि महाराज द्वारा जानकारी दी गई है। वे स्वयं पहली फ्लाइट से रायपुर से अंबिकापुर पहुंचेंगे और सुविधाओं का निरीक्षण करेंगे। उन्होंने बताया कि नई दिल्ली में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू से आत्मीय भेंट कर सरगुजा क्षेत्र के माँ महामाया एयरपोर्ट दरिमा से हवाई यात्रा शुरू किए जाने के संदर्भ में चर्चा की गई एवं केंद्रीय नागरिक उड्डयन सचिव वी. वुअलनाम से भी इस मामले पर विस्तृत चर्चा की। मुलाकात के दौरान ज्ञात हुआ कि इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन हवाई अड्डा कोड, जिसे स्थान पहचानकर्ता के रूप में भी जाना जाता है, प्राप्त ना होने के कारण ही विमान संचालन में विलंब हो रहा है। सांसद श्री चिंतामणि ने उक्त विषयों को ध्यान में लाते हुए तत्काल इन्हें दूर करने का अनुरोध किया है। साथ ही इसके संबंध में अतिरिक्त व्यय होने पर अपने वेतन से राशि देने एवं अन्य वैकल्पिक व्यवस्थाओं से पूर्ति करने की बात कही। सांसद चिंतामणि ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि मां महामाया एयरपोर्ट, दरिमा से प्रथम यात्रा 19 दिसंबर को प्रारंभ होगी, जो रायपुर से अंबिकापुर तक होगी। उन्होंने बताया कि वे स्वयं भी प्रथम यात्री के रूप में यात्रा करेंगे और समस्त सुविधाओं कार्यों का निरीक्षण करेंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, सहित प्रशासकीय जन, व्यवस्थापकों को साधुवाद एवं क्षेत्र की जनमानस को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

कलेक्टर श्री भोसकर ने प्रशासनिक अमले के साथ उदयपुर और लखनपुर के दूरस्थ क्षेत्रों का किया दौरा

धान उपार्जन केंद्रों, स्कूलों, स्वास्थ्य केंद्र निरीक्षण सहित मुख्यमंत्री अन्न कोष योजना की हितग्राही पहाड़ी कोरवा महिलाओं से की मुलाकात

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर / कलेक्टर विलास भोसकर ने मंगलवार को प्रशासनिक अमले के साथ उदयपुर और लखनपुर क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने धान उपार्जन केंद्रों, स्कूलों, स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण और मुख्यमंत्री अन्न कोष योजना के तहत पहाड़ी कोरवा बसाहटों में गर्भवती एवं शिशुवती महिलाओं से मुलाकात की। कलेक्टर श्री भोसकर ने लखनपुर क्षेत्र अंतर्गत धान खरीदी केंद्र मेंड्राकला, पुहपुटरा, लोसगा, कुन्नी और उदयपुर के केदमा धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने धान बेचने आए किसानों से सीधे बात की और धान खरीदी केंद्रों में किसानों की सुविधाओं पर फीडबैक लिया। किसानों ने कलेक्टर के समक्ष सभी व्यवस्थाओं पर संतुष्टि जताई। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री भोसकर ने किसानों को माइक्रो एटीएम का इस्तेमाल करने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा माइक्रो एटीएम की सुविधा दी गई है जिससे एक किसान प्रतिदिन 10 हजार रुपए तक निकल सकता है। उन्होंने कहा कि इस सुविधा का लाभ आवश्यकता अनुरूप जरूर उठाएं। उन्होंने किसानों के समक्ष इसकी प्रक्रिया भी करके दिखाई। जिले के पायलट प्रोजेक्ट मुख्यमंत्री अन्न कोष योजना का जायजा लेने कलेक्टर श्री भोसकर फील्ड में पहुंचे। उदयपुर के खर्रा नगर में पहाड़ी कोरवा महिलाओं से मुलाकात कर उन्हें अन्न कोष योजना की जानकारी दी और अतिरिक्त पोषण आहार भी वितरित किया। कलेक्टर श्री भोसकर ने महिलाओं से अपील की कि वे गंभीरता से इस अभिनव में प्रशासन का सहयोग करें और स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतें जिससे वे एवं शिशु दोनों ही स्वस्थ और सुरक्षित रह सकें। इसी तरह कलेक्टर ने प्रशासनिक टीम के साथ शासकीय प्राथमिक शाला बंधा, प्री मैट्रिक बालक छात्रावास कुन्नी एवं अरगोती तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुन्नी का भी निरीक्षण किया। उन्होंने बालक छात्रावास केदमा में बच्चों के साथ बैठ भोजन किया और अतिरिक्त कक्ष की मांग संज्ञान में आने पर यहां दो अतिरिक्त कक्ष निर्माण हेतु प्रस्ताव भेजने सीईओ जनपद पंचायत को निर्देशित किया। इस दौरान एसडीएम उदयपुर श्री बनसिंह नेताम, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग श्री ललित शुक्ला, जिला शिक्षा अधिकारी श्री अशोक सिन्हा, सहित जिला स्तरीय एवं खंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

विस शीत सत्रः सदन में कौशिक ने साव को घेरा, उठाया जल जीवन मिशन का मुद्दा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन प्रश्नकाल के दौरान जल जीवन मिशन के कामों में गड़बड़ी का मामला फिर उठा। इस बार बिल्हा से भाजपा के वरिष्ठ विधायक धरमलाल कौशिक ने अपात्र ठेकेदारों को टेंडर जारी करने का मुद्दा उठाया। कौशिक ने कहा कि, बीते दो सालों में कई ठेकेदारों ने फर्जी दस्तावेज से काम हथियाये हैं। ढलुए मंत्री अरुण साव ने सदन में स्वीकार किया कि, फर्जी दस्तावेज के आधार टेंडर हासिल करने की शिकायतें मिली हैं। साव ने कहा - प्रारंभिक जांच की जा रही है, जांच के बाद हाई पावर कमेटी कार्यवाही का निर्णय लेगी। मंत्री के इस जवाब पर कौशिक ने कहा- इसमें बड़ा भ्रष्टाचार हुआ है, जांच होने के बजाय अपात्र ठेकेदारों को पेमेंट अधिकारियों ने कर दिया। यह एऊ स्तर की जांच का विषय है। कौशिक ने इसकी एऊ से जांच कराने की मांग रखी। तब ढलुए मंत्री अरुण साव ने कहा- इसमें जांच जारी है। जल जीवन मिशन में गड़बड़ी करने वालों पर कठोर से कठोर कार्यवाही की जाएगी।

स्मार्ट सिटी के काम पर घिरे मंत्री साव

इसी के बाद प्रश्नकाल में स्मार्ट सिटी के कार्यों का मुद्दा भी उठा। सत्ता पक्ष के विधायक ने मंत्री अरुण साव को सदन में घेरा। भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने बूढ़ा तालाब में सौंदर्यीकरण का मुद्दा उठाया। जवाब देते वक्त घिरे नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव। अजय चंद्राकर पूछा- किस-किस मद से राशि खर्च हुई। मंत्री अरुण साव का जवाब- सभी कार्य स्मार्ट सिटी के लिए मिले पैसों से हुआ है। इस पर अजय चंद्राकर ने कहा- पर्यटन मंडल, नगर निगम और स्मार्ट सिटी की राशि खर्च हुई है। इस मामले की जांच कराई जाए। अरुण साव ने जवाब में कहा कि, परीक्षण कराएंगे।

6 करोड़ का फाउंटेन बंद, कब चालू होगा - मूणत

इसके बाद भाजपा विधायक राजेश मूणत ने कहा- तीन-तीन एजेंसियों ने काम किया है। 6 करोड़ का फाउंटेन लगाया, लेकिन बंद पड़ा हुआ है। यह कब तक चालू कर लेंगे। इस पर सुनील सोनी ने कहा- कांग्रेस ने अनियमितताओ का भंडार दिया है। हालत यह थी कि, निकायों में टोटी लगाने के पैसे नहीं थे। सुनील सोनी ने स्मार्ट सिटी के कार्यों की जांच की मांग की।

आप की महिला अदालत के बाद केजरीवाल के घर के बाहर बीजेपी का प्रदर्शन

स्वाति मालीवाल केस की दिलाई याद

एजेंसी

नई दिल्ली, आम आदमी पार्टी की महिला अदालत के बाद अरविंद केजरीवाल के घर के बाहर भारतीय जनता पार्टी ने प्रदर्शन किया है। बीजेपी की महिला मोर्चा की कार्यकताओं ने सांसद बांसुरी स्वराज और कमलजीत सहरावत के नेतृत्व में अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा। बीजेपी ने केजरीवाल पर महिला सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठाए और स्वाति मालीवाल केस की याद भी दिलाई। बीजेपी ने कहा कि राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल की केजरीवाल के सहयोगी विभव कुमार उनके घर पर ही बदसलूकी करते हैं। ऐसे में वो महिला सुरक्षा पर सवाल उठाने का अधिकार नहीं रखते हैं। बांसुरी स्वराज ने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण और सम्मान के वादे करने वाली आप सरकार ने न केवल उन वादों को पूरा करने में विफलता दिखाई है, बल्कि महिलाओं के अधिकारों और सुरक्षा पर ध्यान देने के बजाय राजनीति को प्राथमिकता दी है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के रायपुर में राज्य में वामपंथी उग्रवाद की स्थिति की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की

- **केन्द्रीय गृह मंत्री ने सभी बलों और एजेंसियों को मार्च, 2026 तक वामपंथी उग्रवाद को पूर्णतया समाप्त करने के लक्ष्य की प्राप्ति की दिशा में संयुक्त प्रयास करने को कहा**
- **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार मार्च, 2026 तक नक्सलवाद को पूर्णतया समाप्त करने के प्रति कटिबद्ध है**
- **हमारे सुरक्षाबलों के कारण पिछले एक साल में नक्सलियों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा है जो एक बहुत बड़ी सफलता है**
- **CRPF, ITBP, BSF, छत्तीसगढ़ पुलिस और DRG मिलकर एक साल में बहुत बड़े लक्ष्य की ओर बढ़े हैं और निश्चित रूप से मार्च, 2026 से पहले ही हम नक्सलवाद को समाप्त कर देंगे**
- **इससे पहले, आज केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने बीजापुर में सुरक्षाबलों की गुण्डम फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस का दौरा किया और बलों की ऑपरेशनल तैयारियों की समीक्षा की**
- **अमित शाह ने जवानों को 2024 में नक्सलवाद के खिलाफ मिली अप्रत्याशित सफलता पर बधाई दी और उन्हें इसी जोश के साथ नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया**

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर - केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज छत्तीसगढ़ के रायपुर में राज्य में वामपंथी उग्रवाद की स्थिति की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, केन्द्रीय गृह सचिव

गोविंद मोहन, छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव अमिताभ जैन, पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा और केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के महानिदेशक उपस्थित थे। समीक्षा बैठक के दौरान केन्द्रीय गृह मंत्री ने सभी बलों और एजेंसियों को मार्च, 2026 तक वामपंथी उग्रवाद को पूर्णतया समाप्त करने के लक्ष्य की प्राप्ति की दिशा में संयुक्त प्रयास करने को कहा। बैठक के बाद अपने समापन संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में छत्तीसगढ़ पुलिस और अन्य सुरक्षाबलों ने बहुत अच्छे और समन्वित तरीके से काम किया है। उन्होंने कहा कि हमारे सुरक्षाबलों के कारण पिछले एक साल में नक्सलियों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा है जो एक बहुत बड़ी सफलता है। श्री शाह ने कहा कि मार्च, 2026 से पहले नक्सलवाद को खत्म करने की दिशा में अभी हमें काफी काम करना बाकी है और इसमें NIA की बहुत प्रमुख भूमिका रहेगी। उन्होंने कहा कि CRPF, ITBP, BSF, छत्तीसगढ़ पुलिस और DRG मिलकर एक साल में बहुत बड़े लक्ष्य की ओर बढ़े हैं और निश्चित रूप से मार्च, 2026 से पहले ही हम नक्सलवाद को समाप्त कर देंगे। इससे पहले, आज केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने बीजापुर में गुण्डम फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस का दौरा किया और बलों की ऑपरेशनल तैयारियों की समीक्षा की। अमित शाह ने जवानों को 2024 में नक्सलवाद के खिलाफ मिली अप्रत्याशित सफलता पर बधाई दी और उन्हें इसी जोश के साथ नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया, जिससे मार्च, 2026 तक देश को पूरी तरह से इस समस्या से मुक्ति दिलाई जा सके।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०-/अ-6/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदकगण रमेश दत्त मिश्र, मारूतिनंदन मिश्र, केशरी नंदन मिश्र आ०स्व० शिवप्रसाद मिश्र वगैरह निवासी सत्तीपारा, अम्बिकापुर जिला सरगुजा ने इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है कि आवेदकगण के पितामह सीताराम आ० रामप्रसाद मिश्रा, नि० अम्बिकापुर के स्वामित्व एवं अधिपत्य की शीट नं. 02. मोहल्ला- सत्तीपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूमि भूखण्ड क्र. 691 रकबा 0.05 एकड़ भूमि है। आवेदकगण के पितामह/भूधारक की मृत्यु दिनांक 18.04.1989 को हो गई है। अतः आवेदकगण द्वारा स्वयं को मृत्तक भूधारक के वैद्य उत्तराधिकारी बताते हुये, फौति नामान्तरण के आधार पर उक्त वादभूमि के अभिलेख से मृत्तक भूधारक अर्थात् अपने पितामह का नाम विलोपित कर स्वयं का नाम दर्ज कराने बाबत भूधारक के मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति, मयदस्तावेज सहित आवेदन पत्र, अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 27/12/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 13/12/2024 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०../अ-6/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदकगण रमेश दत्त मिश्र, मारूतिनंदन मिश्र, केशरी नंदन मिश्र आ०स्व० शिवप्रसाद मिश्र वगैरह निवासी सत्तीपारा, अम्बिकापुर जिला सरगुजा ने इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है कि आवेदकगण के पिता/पति शिवप्रसाद आ० सीता राम मिश्रा, नि० सत्तीपारा अ०पुर के स्वामित्व एवं अधिपत्य की शीट नं. 02. मोहल्ला सत्तीपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूमि भूखण्ड क्र. 571, 573 रकबा क्रमशः 0.02, 0.03 एकड़ भूमि है। आवेदकगण के पिता/पति भूधारक की मृत्यु दिनांक 25.02. 2014 को हो गई है। अतः आवेदकगण द्वारा स्वयं को मृत्तक भूधारक के वैद्य उत्तराधिकारी बताते हुये, फौति नामान्तरण के आधार पर उक्त वादभूमि के अभिलेख से मृत्तक भूधारक अर्थात् अपने पिता/पति का नाम विलोपित कर स्वयं का नाम दर्ज कराने बाबत भूधारक के मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति, मयदस्तावेज सहित आवेदन पत्र, अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 27/12/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 13/12/2024 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०./अ-6/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक मुकेश कुमार सिंह आ.स्व. शिवदत्त सिंह, निवासी उसुर्लाईन स्कूल रोड़ नवापारा, अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदक द्वारा अनावेदक दुष्यंत कुमार बजाज आ.स्व. बी.पी. गुप्ता, निवासी स्कूल रोड़ अम्बिकापुर जिला सरगुजा के स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अम्बिकापुर, मोहल्ला चोपड़ापारा स्थित शीट नं. 01 की नजूल भूमि खसरा क्रमांक 9/134, 9/146 रकबा क्रमशः 1036, 452 वर्गफीट भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 29.11.2024 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर आवेदक द्वारा क्रयशुदा उक्त भूमि के नजूल अभिलेख में स्वयं का नाम दर्ज कराने हेतु पंजीबद्ध विक्रय पत्र की छायाप्रति, मयदस्तावेज सहित आवेदन पत्र, अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 08/01/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक- 16/12/2024 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

सम्पादकीय

ईवीएम की प्रमाणिकता पर रोना बंद करें पार्टियां

कांग्रेस को अपनी सियासत के एजेंडे की समीक्षा करनी चाहिए। सत्ता पाना ही राजनीति का ध्येय नहीं होना चाहिए। देश के लिए राजनीतिक प्रगतिशीलता आवश्यक है। ऐसा माना जाता है कि देश की राजनीति जितनी अधिक दूरदर्शी होगी, राष्ट्र उतनी ही उन्नति करेगा। दुर्भाग्य से कुछ वर्षों से कांग्रेस की राजनीति या तो ठहर सी गई है या फिजूल के मुद्दों पर केंद्रित हो गई है। कांग्रेस की राजनीति ईवीएम, जाति गणना, संविधान, अडाणी आदि ऐसे मुद्दों पर अटक गई है, जिससे आमजन का कोई सरोकार नहीं है। यही कारण है कि इन अनुत्पादक मुद्दों पर कांग्रेस नीत इंडिया ब्लॉक के सहयोगी दल अलग राय रख रहे हैं। इंडिया ब्लॉक के सहयोगी व जम्मू-कश्मीर में गठबंधन के घटक नेशनल कान्फ्रेंस के नेता व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस से दो टूक कहा है कि कांग्रेस चुनाव परिणाम को स्वीकार कर ईवीएम पर रोना बंद करे। हाल के चुनाव परिणामों में महाराष्ट्र व हरियाणा में कांग्रेस व उसके गठबंधन एमवीए को हार मिली, जबकि जम्मू-कश्मीर व झारखंड में जीत मिली। लेकिन कांग्रेस हरियाणा व महाराष्ट्र में हार के लिए ईवीएम को दोष दे रही है। ठीक उसी समय जम्मू-कश्मीर व झारखंड में जीत को गठबंधन की जीत न मानकर क्रमशः नेशनल कॉन्फ्रेंस व झारखंड मुक्ति मोर्चा की विजय मान रही है। हार व जीत को निरपेक्ष भाव से स्वीकार न कर पाने के चलते कांग्रेस खुद को पराजित ही मान रही है। ईवीएम राग पर कांग्रेस को अपने सहयोगी उमर अब्दुल्ला की बात सुननी चाहिए। कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस पार्टी की इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर तीखी आपत्ति को खारिज करते हुए कहा है कि 'ऐसा नहीं हो सकता कि जब आप चुनाव जीतें तो परिणाम स्वीकार कर लें और जब हार जायें तो ईवीएम पर दोष मढ़ दें। जब इसी ईवीएम के इस्तेमाल से संसद में आपके सौ से अधिक सदस्य पहुंच जाते हैं और आप इसे अपनी पार्टी के लिए जीत का जश्न मनाते हैं, तो आप कुछ महीने बाद पलटकर यह नहीं कह सकते कि हमें ये ईवीएम स्वीकार नहीं हैं।' इससे पहले उमर ने सेंट्रल विस्टा (नया संसद भवन) के मुद्दे पर भी कांग्रेस के विरोध को यह कर खारिज कर दिया था कि कांग्रेस केवल विरोध के लिए नए संसद भवन का विरोध कर रही थी। विरोध में इतना अतिरेक था कि कई कांग्रेस नेता नए संसद भवन में प्रवेश न करने की कसमें खा रहे थे। आज सब सेंट्रल विस्टा जा रहे हैं। सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट भविष्य की संसदीय जरूरतों को ध्यान में रखकर प्लान किया गया है। परिसीमन के बाद सांसदों की संख्या बढ़ेगी, पुराने संसद भवन की क्षमता कम है, इसलिए हमें नए संसद भवन की आवश्यकता थी ही। मोदी सरकार ने इससे पहले ही नया भवन तैयार कर दिया। कांग्रेस के हाय-तौबा का कोई मतलब नहीं था। कांग्रेस खुद सरकार में रहती तो नया संसद भवन बनाती। आज अडाणी मुद्दे पर भी इंडिया ब्लॉक के कई सहयोगी कांग्रेस के साथ नहीं हैं। ऐसे ही आज के यूथ को जाति-पाति से कोई मतलब नहीं है, ऐसे में जाति गणना के एजेंडे उन्हें नहीं लुभाते। राहुल गांधी जाति गणना पर अटके रहते हैं। अगर पार्टियों को मतदान तंत्र पर भरोसा नहीं है तो उन्हें चुनाव नहीं लड़ना चाहिए। यदि कांग्रेस को ईवीएम से दिक्कत है, तो उसे लेकर उसका रुख एकसमान रहना चाहिए। जीत व हार दोनों में रुख एक हो। सुप्रीम कोर्ट व चुनाव आयोग ने ईवीएम की प्रमाणिकता को लेकर संदेह को निराधार पाया है। कांग्रेस को ईवीएम जैसे अटके मुद्दों से बाहर निकलकर जन सरोकार के मसलों पर अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

दृष्टिकोण

ओमकार चौधरी

भारत क्या करेगा बांग्लादेश में?

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं और दूसरे समुदायों के विरुद्ध जो हिंसा शुरू हुई थी, वह थमने का नाम नहीं ले रही है। हाल में विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने ढाका का दौरा किया है। उनकी अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस से भी मुलाक़ात हुई। माना जा रहा है कि वहां अल्पसंख्यकों पर निरंतर हो रहे हमलों पर भारत सरकार की चिंता से उन्होंने अवगत कराते हुए कहा कि यह हिंसा जल्दी से जल्दी रुकनी चाहिए। इस्कान से जुड़े हिंदू पुजारी चिन्मय प्रभु दास की गिरफ्तारी पर भी उन्होंने बात की है, जिसे लेकर भारत चिंतित है। मिस्री के दौरे का फल यह निकला कि दोनों देशों के बीच जो तनाव बढ़ता ही जा रहा था, उसमें कमी देखी जा रही है। सोलह दिसंबर को बांग्लादेश का एक प्रतिनिधिमंडल कोलकाता के दौरे पर आ रहा है। 16 दिसंबर वह तारीख़ है, जब भारत ने 1971 में पाकिस्तानी सेना को हराया था, जिसके बाद बांग्लादेश का निर्माण हुआ था। यह प्रतिनिधिमंडल पूर्वी कमांड में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेगा। बांग्लादेश न केवल भारत का एक अहम पड़ोसी देश है, बल्कि उसके हमारे साथ सांस्कृतिक, सामाजिक, आर्थिक और ऐतिहासिक रिश्ते भी हैं। 1947 से पहले वह भारत का हिस्सा था। हमारे देश को अंग्रेजी शासन से आजादी विभाजन की बड़ी क़ीमत पर मिली थी। पश्चिमी और पूर्वी दो भागों में पाकिस्तान का निर्माण हुआ था। 1971 में पूर्वी पाकिस्तान में मुक्ति संग्राम छिड़ा, उसमें भारत ने भी बेहद अहम भूमिका निभाई। यह अलग बात है कि नया बांग्लादेश अस्तित्व में आने के बावजूद वहां जमात से लेकर बहुत से कट्टरपंथी संगठन पनपते रहे, जो वहां भी अस्थिरता की वजह बनते रहे और जिसने वहां भारत विरोधी प्रोपेगैंडा जमकर चलाया। ख़ासकर हिंदू अल्पसंख्यकों को लगातार निशाना बनाया जाता रहा। यही कारण है कि 1947 में पूर्वी पाकिस्तान में जो पच्चीस प्रतिशत हिंदू हुआ करते थे, उनकी संख्या लगातार घटती गई। आज यह आठ नौ प्रतिशत बची है। यही हाल पाकिस्तान में हुआ है। वहां तो यह संख्या बहुत कम हो चुकी है। अफ़ग़ानिस्तान में तो अब हिंदू-सिख नाम मात्र के ही बचे हैं। उनके धर्म स्थलों को या तो नष्ट कर दिया गया अथवा उन पर कब्जा करके उनका रूप स्वरूप बदल दिया गया।

भारत की यह नीति रही है कि वह दूसरे देशों में किसी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं करता है। कोई देश हमारे अंदरूनी मामलों में दखलांदाजी करे, इसकी भी इजाज़त नहीं देता है। बड़े अफ़सोस की बात यह है कि किसी जमाने में अफ़ग़ानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश के जो अधिकांश हिस्से कभी भारत वर्ष का हिस्सा थे, वहां रह रहे कट्टरपंथी अब भारतीयों-हिंदुओं के विरुद्ध हिंसा और नफ़रत का सहारा ले रहे हैं। कट्टरपंथी तत्व यह जानते हैं कि भारत किसी देश में सीधे हस्तक्षेप की नीति पर नहीं चलता है जब तक कि उसकी संप्रभुता, एकता अखंडता और नागरिकों की जान-माल पर आँच नहीं आ रही हो। इसका अनुचित फायदा उठाकर ऐसी अवांछित हरकतें और हिंसा वहां की जाती रही है, जिससे भारत के अपने नागरिकों को पीड़ा पहुंचे और यहां की सरकारों को मुश्किलों में डाला जा सके। राजनीतिक कारणों से इस

तरह की हरकतों को वहां की सरकारें भी बढ़ावा देती रही हैं। ऐसे अनेक उदाहरण अतीत में ख़ासकर पाकिस्तान और बांग्लादेश में देखने को मिले हैं। यह सब इसके बावजूद किया जाता है कि भारत संकट के समय हमेशा मदद का हाथ बढ़ाता रहा है। जब से बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार का तख्ता पलट हुआ है, तब से वहां के हालात बहुत पेचीदा हो गए हैं। जमात-ए-इस्लामी, बीएनपी और कुछ उग्रपंथी संगठनों ने जमकर हिंसा की है। जब भी अल्पसंख्यक हिंदुओं के विरूद्ध की जा रही हिंसा पर सवाल उठाए जाते हैं तब उनका तर्क होता है कि हिंसा शेख हसीना को सपोर्ट करने वालों के विरूद्ध हो रही है। यह पहली बार है, जब पश्चिमी जगत की भी बांग्लादेश में हो रही हिंसा पर तीखी प्रतिक्रिया आ रही है। अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तो वहां हो रही हिंसा की चर्चा करते हुए यहां तक कहा है कि उनकी सरकार इसे बर्दाश्त नहीं करेगी। ट्रंप ने कहा है कि दुनिया के किसी भी हिस्से में यदि हिंदुओं पर हमले होंगे तो वह सहन नहीं करेंगे। उन्हें हर हाल में सुरक्षा दी जाएगी। दरअसल, ट्रंप और बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस एक-दूसरे को नापसंद करते हैं। ट्रंप जब हिलेरी क्लिंटन को परास्त कर अपने पहले कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति चुने गए थे, तब यूनुस पेरिस में थे और उन्होंने उसे अमेरिका के लिए काला दिवस करार दिया था। इसलिए यह मानकर चला जा रहा है कि बीस जनवरी को जैसे ही ट्रंप राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे, यूनुस की उल्टी गिनती शुरू हो जाएगी। कुछ जानकारों का मानना है कि शेख हसीना सरकार की देर-सवेर बहाली हो जाएगी। भारत ठंडे दिमाग़ से काम ले रहा है और ट्रंप के कार्यभार संभालने की प्रतीक्षा कर रहा है। बांग्लादेश हो, पाकिस्तान हो या अफ़ग़ानिस्तान में घट रही घटनाएं हों, उनका भारत पर सीधा प्रभाव पड़ता है। यहां उन पर तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिलती है। मोदी सरकार इन देशों में होने वाली घटनाओं के मद्देनजर सीएए क़ानून भी लेकर आई थी, उसे लागू भी किया जा चुका है। धार्मिक आधार पर यदि हिंदुओं और दूसरे अल्पसंख्यकों के विरूद्ध वहां पक्षपात या अत्याचार होते हैं तो आजादी और विभाजन के पचहत्तर वर्ष बाद भी वह भारत लौट सकते हैं। यहां की नागरिकता हासिल करने के लिए जो शर्तें हैं, उनका पालन कर आवेदन कर सकते हैं। दुनिया में ऐसा मानवीय पहलू वाला क़ानून शायद ही किसी देश में हो। हालांकि इस पर यहां जमकर राजनीति हो चुकी है। कुछ राजनीतिक दल झूठ फैलाकर समाज में तनाव पैदा कर हिंसा भड़काने की साजिशें भी रच चुके हैं। आश्चर्य का विषय है कि यही राजनीतिक जमात हमास के समर्थन में बयान जारी करता है परंतु जब बांग्लादेश पाकिस्तान अथवा अफ़ग़ानिस्तान में अल्पसंख्यकों पर हमलों की सूचना आती हैं तो चुप्पी साध लेता है। बांग्लादेश में हिंदुओं को निशाना बनाए जाने पर भी ये चुप्पी ही साधे हुए हैं। वहां कट्टरपंथी जमातें इस तथ्य से भली-भांति अवगत हैं कि भारत की अपनी राजनीतिक समस्याएं क्या हैं और यहां किस तरह राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दल तुष्टिकरण की राजनीति में उलझे हुए हैं।

जैसे ही वहां कोई नई घटना घटती है और उसके विजुअल्स सोशल मीडिया में आते हैं, वैसे ही ख़ासकर मोदी और भाजपा समर्थक राष्ट्रवादी अपनी तीखी प्रतिक्रियाएं देना शुरू कर देते हैं। उनका सीधा एक ही सवाल होता है कि हमने क्या इसी दिन के लिए मोदी जी को वोट दिया था? वो बांग्लादेश के हिंदुओं को क्यों नहीं बचा रहे। हमला क्यों नहीं कर रहे। वहां जो दुष्ट हिंसा में लिप्त हैं, उन्हें सबक क्यों नहीं सिखा रहे। ऐसे अति उत्साही और चिंतित लोगों को संभवतः अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की बारीकियों की उतनी समझ नहीं है। उन्हें नहीं पता कि भारत यदि कोई सीधी कार्रवाई करेगा तो उसके किस तरह के नतीजे हो सकते हैं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

विजय दिवस

रमेश शर्मा

तेरह दिन में ही टूट गया था पाकिस्तान

पाकिस्तान कभी भारत का ही हिस्सा था। वहां रहने वाले लोग भी भारतीय पूर्वजों के वंशज हैं। फिर भी वे लोग दिन-रात भारत के विरुद्ध विष वमन और भारत को मिटाने का दंभ भरते हैं। पाकिस्तान एक ऐसा देश है जो अपने जन्म के बाद से ही नहीं, अपितु अपने गर्भकाल से जन्मदाता भारत की धरती पर रक्तपात का षड्यंत्र कर रहा है। पाकिस्तान के इन्हीं षड्यंत्रों का परिणाम था 1971 का युद्ध, जो भारत पर थोपा था। इसी युद्ध में जन्म हुआ था संसार में एक नये देश बांग्लादेश का। लेकिन यह विचारणीय है जिस भारत के जवानों के बलिदान से बांग्लादेशका जन्म हुआ था वही बंगलादेश, पाकिस्तान से मिलकर भारत के विरुद्ध षड्यंत्र कर रहा है। 1971 का वह युद्ध कुल तेरह दिन तक चला था। दुनिया के इतिहास में यह सबसे छोटा निर्णायक युद्ध माना जाता है। इस युद्ध समापन के साथ एक नये देश का उदय हुआ जो बांग्लादेश के नाम से जाना जाता है। बांग्लादेश की धरती भी कभी भारत भूभाग बंगाल प्रांत का अंग रही है। लेकिन 1947 में भारत की धरती के इस हिस्से ने भी भारत से अलग होकर पाकिस्तान का नाम स्वीकार कर लिया था और यह प्रक्षेत्र पूर्वी पाकिस्तान कहलाया। लेकिन भाषा को लेकर मतभेद पहले दिन से था। सल्तनत काल में चले बलपूर्वक धर्मांतरण अभियान में बंगाल के निवासियों की पूजा उपासना पद्धति तो बदल गई थी पर भाषा के प्रति लगाव कम न हुआ। बंगाली समाज ने अपना धर्म और राष्ट्रीयता बदलकर पाकिस्तानी नाम तो स्वीकार कर लिया था लेकिन अपनी मातृभाषा से लगाव न छोड़ा। वे चाहते थे कि उनकी भाषा बंगाली ही रहे। जबकि पाकिस्तानी शासक उनकी यह बंगाली पहचान भी बदलना चाहते थे। पाकिस्तान की सरकार बलपूर्वक उर्दू और अरबी का दबाव बना रहे थे। संघर्ष यहीं से शुरू हुआ। इसको लेकर 1948 से आंदोलन आरंभ हो गये थे, जिसका दमन पाकिस्तान की सरकार और सेना करती रही थी। 1970 आते-आते सैनिकों के जुर्म और बंगालियों का दमन और पलायन दोनों बढ़ गया। 25 मार्च 1971 को बंगला अभियान के नेता शेख मुजीबुर्रहमान को गिरफ्तार कर लिया गया, जिसका भारत ने विरोध जताया और मुक्ति वाहनी को नैतिक समर्थन देने की घोषणा भी कर दी। भारत की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आंदोलन को खुला समर्थन दिया और जो लोग भारत आ रहे थे उन्हे भी पर्याप्त संरक्षण दिया। पाकिस्तान ने अपनी समस्या का ठीकरा भारत के सिर फोड़ा और दुनिया में यह प्रचार किया कि भारत अशांति फैला रहा है। इन तमाम कारणों से आरंभ हुए युद्ध की तिथि भले तीन दिसम्बर 1971 मानी जाती हो पर पाकिस्तान ने अपनी ओर से यह युद्ध 25 नवम्बर 1971 को ही आरंभ कर दिया था जब लाहौर में ऐसी ही 'क्रश इंडिया' रैली को संबोधित करते हुए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री भुट्टो ने बाकायदा युद्ध की घोषणा की थी और उसकी तीनों सेनाओं ने मोर्चाबंदी शुरू कर दी थी। पाकिस्तान ने जहां करांची बंदरगाह पर नौ सेना बेड़े तैनात किये वहीं सीमा पर फौज बढ़ा कर घुसपैठ शुरू कर दी थी। भारत युद्ध तो नहीं चाहता था पर युद्ध से निबटने के लिए पूरी तरह तैयार था। दूसरी तरफ पाकिस्तान को लगा कि उसकी घुसपैठ सफल हो रही है। इससे उत्साहित होकर उसने दो और तीन दिसम्बर 1971 की रात भारत पर हवाई हमला बोल दिया। इस बमबारी से पूरा भारत सकते में आ गया। तीन दिसम्बर को भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने सेना को आदेश दिया कि वह पाकिस्तान को मुंह तोड़ जबाब दे। 15 दिसम्बर को भारत ने ढाका पर आधिपत्य होने की अधिकृत घोषणा की। इसी के साथ वहां तैनात पाकिस्तान कमांडर ने फौज के आत्मसमर्पण का प्रस्ताव दिया जिसे 16 दिसम्बर को माना गया और भारत ने अपनी ओर से युद्ध विराम की घोषणा कर दी। पाकिस्तान का अंग बने बंगाल के निवासियों की सहायता करने में भारत ने अपने लगभग चार हजार सैनिकों का बलिदान दिया। दस हजार से अधिक घायल हुए। लगभग एक करोड़ शरणार्थी भारत आये। आधी शताब्दी से भी अधिक इस अवधि में ऐसा कोई वर्ष नहीं बीता जब भारत ने बांग्लादेश को सहायता न दी हो। बदले में क्या मिला? बांग्लादेश चीन की गोद में बैठ गया। पाकिस्तान के इशारे पर काम करने लगा। इन दिनों बांग्लादेश में केवल मंदिर ही नहीं तोड़े जा रहे बल्कि भारत विरोधी नारे भी लग रहे हैं। बांग्लादेश बनने के बाद से कट्टरपंथी जैसी भारत की डेमोग्राफी बदल रहे हैं वह चौंकाने वाली हैं। असम, बंगाल और झारखंड के अनेक गांव ऐसे हैं जहां से हिन्दू पलायन कर गये और बंगलादेशी आकर बस गये।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मंदिर जैसे उपासना स्थल क्यों बनाए जाते हैं?

जब ईश्वर का वास हृदय में माना गया है, तो मंदिर जैसे उपासना स्थल क्यों बनाए जाते हैं? मंदिरों की स्थापना के पीछे उद्देश्य था कि पूजा, अर्चना और यज्ञ आदि द्वारा पवित्र तन्मात्रओं यानी पंचभूतों के सूक्ष्म रूप की सृष्टि की जाए। किसी साधु हृदय व्यक्ति को पूजा का कार्यभार सौंपा जाए। स्थान का मन पर अदृश्य प्रभाव पड़ता है। चिकित्सालय में

संकलित

दर्शन

व्यक्ति को हर तरफ रोग और रोगी ही दिखते हैं। स्वस्थ व्यक्ति भी वहां अशक्त महसूस करने लगता है। हमारे शरीर से प्रतिदिन शुभ या अशुभ अदृश्य सूक्ष्म शक्ति-राशि का उत्सर्जन होता रहता है। मंदिर जाने वाला व्यक्ति काम, क्रोध और आलस्य बाहर छोड़कर ईश्वर के प्रति भक्तिभाव से जाता है। यह सामूहिक भक्ति या उपासना शुभ तन्मात्रओं व तरंगों का सृजन करती है। अतः यहां आगमन दुर्बल मन वाले मनुष्यों में ऊर्जा का संचार करता है। सज्जनों से ही प्रार्थना स्थलों की पवित्रता बनी रहती है। यदि मंदिर में असाधु व्यक्तियों का आवागमन बढ़ जाए तो स्थान अपनी पवित्रता खोने लगता है। पवित्र श्रवण मास में शिवलिंग पर दुग्ध, बेलपत्र, फल-फूल आदि चढ़ाकर पुण्य अर्जित करने की होड़ लगी रहती है। यदि ईश्वर है और वह हमारी प्रार्थना से प्रसन्न होता है तो वह एक बेलपत्र, अंजुली भर दूध या एक पुष्प से भी प्रसन्न हो जाएगा। सावन के महीने से इतर भी ये दृश्य आमतौर पर मंदिरों में आम होते हैं। यदि यह व्यवस्था सुचारु न हो तो अव्यवस्था स्वाभाविक है। इसी कारण कई मंदिरों में व्यक्तिगत रूप से भोग-अर्पण की मनाही है।

एक दिन का पुण्य ही क्यूं

निर्जला एकादशी से अगले दिन एक भिखारी एक सज्जन की दुकान पर भीख मांगने पहुंचा। सज्जन व्यक्ति ने 1 रुपए का सिक्का निकाल कर उसे दे दिया। भिखारी को प्यास भी लगी थी, वो बोला बाबूजी एक गिलास पानी भी पिलवा दो, गला सूखा जा रहा है। सज्जन व्यक्ति ने गुस्से में कहाः तुम्हारे बाप के नौकर बैठे हैं क्या हम यहां, पहले

संकलित

प्रेरणा

पैसे, अब पानी, थोड़ी देर में रोटी मांगेगा, चल भाग यहां से। भिखारी बोलाः बाबूजी गुस्सा मत कीजिये मैं आगे कहीं पानी पी लूंगा। पर जहां तक मुझे याद है, कल आपने निर्जला एकादशी व्रत कथा का पाठ किया था, तथा कल इसी दुकान के बाहर मीठे पानी की छबील लगी थी और आप स्वयं लोगों को रोक रोक कर जबरदस्ती अपने हाथों से गिलास पकड़ा रहे थे, मुझे भी कल आपके हाथों से दो गिलास शर्बत पीने को मिला था। मैंने तो यही सोचा था, आप बड़े धर्मात्मा आदमी है, पर आज मेरा भरम टूट गया। कल की छबील तो शायद आपने लोगों को दिखाने के लिये लगाई होगी? मुझे आज आपने कड़वे वचन बोलकर अपना कल का सारा पुण्य खो दिया। मुझे क्षमा करना अगर मैं कुछ ज्यादा बोल गया हूं तो। सज्जन व्यक्ति को बात दिल पर लगी, उसकी नजरों के सामने बीते दिन का प्रत्येक दृश्य घूम गया। उसे अपनी गलती का अहसास हो रहा था। वह स्वयं अपनी गद्दी से उठा और अपने हाथों से गिलास में पानी भरकर उस बाबा को देते हुए उसे क्षमा प्रार्थना करने लगा।

अंतर्मन

आज की पाती

एक साथ सभी चुनावों का औचित्य

एक देश एक चुनाव का मुद्दा एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है, क्योंकि हाल ही में केंद्र सरकार ने एक देश एक चुनाव को मंजूरी दे दी। इसमें लोकसभा, विधानसभा और स्थानीय, सभी चुनाव लगभग 100 दिनों में कराने का प्रावधान है। इससे पहले रामनाथ कोविंद समिति को भी मंजूरी मिल गई थी। केंद्र सरकार इस बिल को अब जल्द ही संसद में भी पेश कर सकती है। इसे तैयार करने के लिए विभिन्न विशेषज्ञों और अन्य बुद्धिजीवी वर्ग की सलाह भी ली होगी। इस मुद्दे पर अब फिर से राजनीति शुरू हो जाएगी। हमारे देश की राजनीति अवसरवाद की शिकार हो चुकी है, इसलिए यहां बहुत से राजनेता ही एक साथ चुनाव के लिए रजामंद नहीं होंगे। बहरहाल, लोकतंत्र का आधार ही चुनाव होते हैं। चुनाव प्रक्रिया में अगर कुछ कमियां हों तो उन्हें दूर करना लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत होता है। *– विनम कुमार साहू*

ट्रेंड

लौह पुरुष को नमन

देश के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को उनकी पुण्यतिथि पर शत-शत नमन। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व राष्ट्र की एकता, अखंडता और विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि के लिए देशवासियों की प्रेरणाशक्ति बना रहेगा।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

भाजपा ने वादा नहीं निभाया

हाथरस रेप पीड़िता के परिवार को घर में बंद रखना और आरोपियों का खुलेआम घूमना बाबा साहेब के संविधान की मूल भावना के खिलाफ है। भाजपा सरकार ने पीड़ित परिवार को दूसरी जगह घर देकर शिफ्ट करने का वादा भी पूरा नहीं किया है।

-राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद

मेरी किताब 'सेव अमेरिका'

क्रिसमस आ रहा है! सबसे आकर्षक उपहार मेरी नई किताब, "सेव अमेरिका" है। कोई अन्य पुस्तक हमारे आंदोलन, हमारे अभियान और हमारे भविष्य पर प्रकाश नहीं डालती।

-डोनाल्ड ट्रम्प, अमेरिकी राष्ट्रपति

युवाओं की ऊर्जा

जब हम परियोजनाओं के क्रियान्वयन के बारे में सोचते है तो हमारा पहला विचार वर्षों के अनुभव वाले व्यक्ति को ढूंढना होता है। लेकिन हम स्टार्ट-अप युग में हैं जहां युवाओं की ऊर्जा, और नवीनता अनुभव के ज्ञान और ज्ञान के लिए एक योग्य चुनौती है।

-अनिल अग्रवाल, उद्योगपति

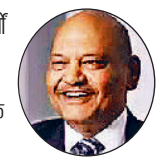

करंट अफेयर

पाक के कपूर हाउस में राज कपूर की जयंती मनाई गई

पाकिस्तानी सांस्कृतिक और फिल्म प्रेमी बॉलीवुड के दिग्गज फिल्म निर्माता एवं अभिनेता राज कपूर की 100वीं जयंती मनाने के लिए शनिवार को पेशावर के 'कपूर हाउस' में इकट्ठा हुए और इस दौरान उन्होंने केक काटकर उनकी जयंती मनाई। आयोजन में शामिल लोगों ने राज कपूर और बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता दिलीप कुमार के पैतृक घरों के जीर्णोद्धार के लिए 10 करोड़ रुपये आवंटित करने की विश्व बैंक की घोषणा का भी स्वागत किया। प्रसिद्ध किस्सा खवानी बाजार के पास स्थित दोनों घरों को पेशावर के भारतीय सिनेमा से गहरे संबंधों के प्रतीक के रूप में माना जाता है। 'कल्चरल हेरिटेज काउंसिल' (सीएचसी) और पुरातत्व निदेशालय खैबर पख्तूनख्वा द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस समारोह में कपूर की विरासत को याद करने के लिए बड़े पैमाने पर कार्यक्रम आयोजित करने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने कपूर के पाकिस्तान से संबंधों पर बल दिया और सिनेमा पर उनकी अमिट छाप की प्रशंसा की। कपूर का जन्म 14 दिसंबर 1924 को पेशावर के ढाकी नलबंदी में हुआ था और 1988 में उनका निधन हो गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर 'पाक-ईरान ट्रेड एंड इवेस्टमेंट काउंसिल' के सचिव मोहम्मद हुसैन हैदरी मौजूद रहे।

ऑफ बीट

मादक पदार्थ कैप्टागन क्या है, जर्मनी में बनाया गया था

कैप्टागन एक पुराने सिंथेटिक फार्मास्युटिकल उत्प्रेरक का मूल ब्रांड नाम है जिसे 1960 के दशक में जर्मनी में बनाया गया था। यह एम्फ़ैटेमिन और

मेथैम्फेटामाइन का एक विकल्प था। उस समय इन दोनों का इस्तेमाल दवा के रूप में किया जाता था। इस दवा में सक्रिय घटक फेनेथिलीन है और शुरुआत में एडीएचडी और नींद की बीमारी नार्कोलेप्सी जैसी स्थितियों के उपचार के लिए इसका इस्तेमाल किया गया। इसका उपयोग कानूनी रूप से उपलब्ध कुछ उत्प्रेरक पदार्थों के समान था, जिनका हम आज भी उपयोग करते हैं जैसे कि डेक्सामफ़ैटामाइन। कैप्टागन का प्रभाव एम्फ़ैटेमाइन जैसा ही होता है। यह मस्तिष्क में डोपामाइन को बढ़ाता है, जिससे स्वास्थ्य, आनंद और उल्लास की भावनाएं पैदा होती हैं। यह ध्यान, एकाग्रता और सहनशक्ति में भी सुधार करता है। लेकिन इसके कई अवांछित दुष्प्रभाव भी हैं जैसे कि थोड़ा बहुत मनोविकार। यह दवा मूल रूप से पश्चिम एशिया और यूरोप के कुछ हिस्सों में बेची जाती थी। यह यूरोप में कुछ समय तक काउंटर पर (बिना डॉक्टर के पर्चे के) उपलब्ध थी, उसके बाद में यह केवल डॉक्टर के पर्चे पर लिखे जाने के बाद ही मिलना प्रारंभ हुई।

उत्तर प्रदेश विधानमंडल सत्र की हंगामेदार शुरूआत

हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार, विपक्ष ने डाला कार्यवाही में व्यवधान : सीएम योगी

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के दोनों सदनों की आज हंगामेदार शुरूआत हुई। विधान सभा और विधान परिषद के सत्र की शुरूआत से पहले ही समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने जिस तरह विधानसभा परिसर में जमकर नारेबाजी की उससे ही अंदाजा हो गया था कि यह सत्र हंगामेदार रहने वाला है। हम आपको बता दें कि सत्र शुरू होने से पहले सपा विधायक और विधान पार्षदों ने संभल समेत कई मुद्दों पर नारे लिखी तख्तियां हाथ में लेकर चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के निकट सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया और जमकर नारेबाजी

की। सपा नेताओं ने किसानों की फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) देने का वादा पूरा न होने, बेरोजगारी, पेपर लीक और पुलिस द्वारा किए जा रहे ह्यह्यअत्याचारह्नह्न जैसे तमाम मुद्दे उठाये। सपा विधायकों ने संभल हिंसा में मारे गये लोगों के परिजनों के लिए न्याय की मांग करते हुए नारेबाजी की।

सपा विधायक और विधान पार्षदों ने यह भी आरोप लगाया कि राज्य सरकार इन मुद्दों की ओर ध्यान नहीं दे रही है और आम जनता के हितों की अनदेखी कर रही है। इससे पहले सपा के विधान पार्षद आशुतोष सिन्हा महंगाई के विरोध में साइकिल चलाते हुये सदन पहुंचे।

वहीं विधानसभा में भी सपा विधायकों का हंगामा जारी रहा। सपा विधायक वेल में धरने पर बैठ गये। विधानसभा अध्यक्ष उन्हें समझाते रहे लेकिन जब सदस्य नहीं माने तो उन्होंने कहा कि तीन साल के उनके कार्यकाल में पहली बार सदन को स्थगित करना पड़ा है। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि आप लोगों के पास पूछने के लिए सवाल नहीं हैं, इसलिए आप लोग हंगामा कर रहे है। आप जो चाहें हम हर मुद्दा सुनने के लिए तैयार हैं।

हम आपको यह भी बता दें कि सत्र की शुरूआत से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में लोक भवन में भाजपा विधानमंडल दल की बैठक हुई। इसमें सत्र के दौरान विपक्षी हमलों से निपटने की रणनीति पर चर्चा हुई। इस मौके पर दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक भी मौजूद रहे। बैठक में सभी मंत्रियों और विधायकों को सत्र के दौरान पूरी तैयारी के साथ सदन में आने के निर्देश दिए गए। सीएम ने कहा कि विपक्ष की ओर से उठाए गए हर मुद्दों का तथ्यों के साथ जवाब देने की तैयारी करके सदन में आएं। सत्र की शुरूआत से पहले मीडिया को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, '....शीतकालीन सत्र के दौरान विधायी कार्य तो होंगे ही इसके साथ ही अनुपूरक बजट भी पेश किया जाएगा।

प्रियंका गांधी ने वायनाड में मानव-पशु संघर्ष का विषय लोकसभा में उठाया

एजेंसी

नई दिल्ली, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने अपने संसदीय क्षेत्र वायनाड में मानव-पशु संघर्ष से जुड़ा मुद्दा सोमवार को लोकसभा में उठाया और सरकार से सवाल किया कि क्या प्रभावित लोगों को सहायता राशि दी जाएगी। उन्होंने लोकसभा में पूरक प्रश्न पूछते हुए यह विषय उठाया। प्रियंका गांधी ने कहा, ह्यह्यमैं अपने निर्वाचन क्षेत्र वायनाड में मानव-पशु संघर्ष का मुद्दा उठाना चाहूंगी। पिछले साल 90 लोग प्रभावित हुए हैं। कल भी किसी जंगली जानवर ने हमला किया है। इसलिए मैं पूछना चाहती हूं कि सरकार विशेष रूप से किसानों और आम लोगों को क्या मुआवजा देगी? कांग्रेस नेता के प्रश्न के उत्तर में पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि पूरक प्रश्न का सूचीबद्ध प्रश्न से कोई संबंध नहीं है। हालांकि, उन्होंने बताया कि प्रशासन और वन विभाग वायनाड में मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस संबंध में सरकार द्वारा किए गए कार्यों की एक प्रति वायनाड की सांसद के साथ साझा की जाएगी।

भारत-चीन संबंधों में संतुलन कायम करना दोनों देशों के हित में : जयशंकर

एजेंसी

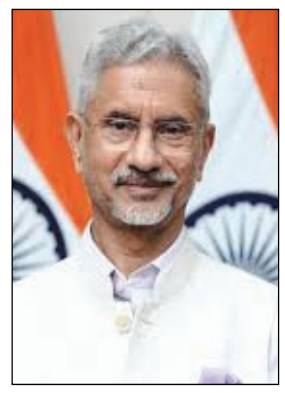

नई दिल्ली, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को कहा कि भारत और चीन दोनों के हित में है कि वे एक संतुलन कायम करें लेकिन समस्या यह है कि हम अभी भी अल्पकालिक उपायों से जूझ रहे हैं और फिलहाल अल्पकालिक उपाय तनाव कम करने पर केंद्रित होंगे। हाल में भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सैनिकों की गश्त और पीछे हटने को लेकर एक समझौता हुआ, जो चार साल से जारी गतिरोध को समाप्त करने की दिशा में एक बड़ी सफलता है। जयशंकर ने कहा, संतुलन स्थापित करना दोनों देशों के हित में है। हालांकि, वैचारिक रूप से ऐसा करना कठिन है, क्योंकि दोनों ही देश पूर्ण रूप से बदल रहे हैं, इसलिए यह बहुत जटिल समीकरण है। विश्व बदल रहा है, हम बदल रहे हैं, विश्व के साथ संबंध बदल रहे हैं और दोनों देशों के संबंध भी बदल रहे हैं। यहां आईसीसी में इंडियाज वर्ल्ड

पत्रिका के विमोचन के बाद आयोजित कार्यक्रम में जयशंकर ने विदेश नीति मामलों के विशेषज्ञ सी. राजा मोहन के साथ परिचर्चा के दौरान ये बातें कहीं। जयशंकर ने कहा, इसलिए, इन सभी परिवर्तनों में, आप संतुलन कैसे पाएंगे... यह पसंदीदा विकल्प होगा, लेकिन समस्या यह है कि अभी हम अल्पकालिक उपायों से जूझ रहे हैं, और अभी अल्पावधि में तनाव कम करने पर ध्यान दिया जाएगा, क्योंकि सैनिकों के पीछे हटने के मुद्दे पर प्रगति हुई है, लेकिन अन्य मुद्दे भी हैं।

मौसम

अधिकतम तापमान 23.c

न्यूनतम तापमान 7.c

बाजार

सोना 7,177/ g

चांदी 96/ g

सेंसेक्स 81,526.14

निफ्टी 24,641.80

सड़क हादसे में चार महिलाओं समेत छह लोगों की मौत, सात अन्य घायल

एजेंसी

रायपुर, छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में सड़क हादसे में चार महिलाओं समेत छह लोगों की मौत हो गई है तथा सात अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। पुलिस अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना रविवार देर रात डौंडी थाना क्षेत्र के चोरहापड़ाव गांव के निकट की है जब एक ट्रक ने स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल्स (एसयूवी) को टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि हादसे में कार सवार दुर्पत प्रजापति (30), सुमित्रा बाई (50), मनीषा कुम्भकार (35), सगुन बाई (50), ईमला बाई (55) और जिग्नेश (सात) की मौत हो गई तथा सात अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि ये सभी गुरेदा गांव के निवासी थे और डौंडी गांव में नामकरण संस्कार कार्यक्रम में शामिल होने के बाद वापस लौट रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस दल को मौके के लिए रवाना किया और शवों तथा घायलों को अस्पताल पहुंचाया। उन्होंने बताया कि घायलों को डौंडी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद राजनांदगांव जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है तथा जांच की जा रही है।

सपा का लखनऊ में विस शुरू होने से पहले धरना, शुरू होते ही हंगामा

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ में यूपी विधानमंडल का सत्र शुरू होने से पहले समाजवादी पार्टी के विधान सभा और विधान परिषद सदस्यों ने विधानसभा में एकजुट होकर चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के पास प्रदर्शन किया। उन्होंने नारेबाजी करते हुए सरकार को घेरा। फसलों की एमएसपी का वादा अधूरा, बेरोजगारी से युवा बर्बाद, पेपर लीक से नौजवान में बेहाल, पुलिस अत्याचार व अन्य मुद्दों पर नारे लिखी तख्तियां हाथों में लेकर जमकर नारेबाजी की। इसके बाद जब सत्र की शुरूआत हुई तो जैसा कि पहला दिन हंगामेदार होने की उम्मीद थी। वैसा ही हुआ। सपा नेताओं ने

नारेबाजी करते हुए हंगामा शुरू कर दिया। विधानसभा अध्यक्ष उन्हें समझाते रहे। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि तीन साल के उनके कार्यकाल में पहली बार सदन को स्थगित करना पड़ा है। समाजवादी पार्टी के सदस्य वेल में धरने पर बैठ गए थे। अध्यक्ष के बार-बार कहने के बाद भी जब विपक्ष ने हंगामा शांत नहीं किया, तो सदन की कार्यवाही 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

विधानमंडल अध्यक्ष ने कड़े शब्दों में कहा कि आप लोगों के पास पूछने के लिए सवाल नहीं हैं, इसलिए आप लोग हंगामा कर रहे है। आप जो चाहें हम हर मुद्दा सुनने के लिए तैयार हैं। सदन में अध्यक्ष नेता प्रतिपक्ष सहित अन्य सदस्यों से सवाल पूछने के कहते रहे। लेकिन, विपक्ष नारेबाजी और हंगामा करता रहा। इससे पहले सीएम की अध्यक्षता में लोक भवन में विधानमंडल दल की बैठक हुई। इसमें सत्र के दौरान विपक्षी हमले से निपटने की रणनीति पर चर्चा हुई। इस मौके पर दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक भी मौजूद रहे। बैठक में सभी मंत्रियों और विधायकों को इसके लिए पूरी तैयारी के साथ सदन में आने के निर्देश दिए गए।

सीएम ने कहा कि विपक्ष की ओर से उठाए गए हर मुद्दों का तथ्यों के साथ जवाब देने की तैयारी करके सदन में आएं। इससे पहले सीएम की अध्यक्षता में लोक भवन में विधानमंडल दल की बैठक हुई। इसमें सत्र के दौरान विपक्षी हमले से निपटने की रणनीति पर चर्चा हुई। इस मौके पर दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक भी मौजूद रहे। बैठक में सभी मंत्रियों और विधायकों को इसके लिए पूरी तैयारी के साथ सदन में आने के निर्देश दिए गए। सीएम ने कहा कि विपक्ष की ओर से उठाए गए हर मुद्दों का तथ्यों के साथ जवाब देने की तैयारी करके सदन में आएं।

अमित शाह से सीधी बातचीत के दौरान नक्सलियों ने बताया- नसबंदी कराने के लिए सभी को किया जाता है मजबूर

एजेंसी

नई दिल्ली, माओवादियों की शब्दावली में नसबंदी एक बहुत ही आम शब्द है। काडर के जो सदस्य शादी करना चाहते हैं, उसे भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के वरिष्ठ आकाओं के निर्देश पर इस प्रक्रिया से गुजरने के लिए मजबूर किया जाता है। तेलंगाना के एक पूर्व माओवादी को शादी से पहले इस प्रक्रिया से गुजरने का निर्देश दिया गया था। सालों बाद, जब उसने हथियार डालकर आत्मसमर्पण कर दिया, तो उसने इस प्रक्रिया को उलटने के लिए दूसरी सर्जरी करवाई, और अंततः एक लड़के का पिता बना। वह

अकेला नहीं था। बहुत से लोग जो हथियार डालकर मुख्यधारा में आ जाते हैं, वे भी इसी तरह परिवार शुरू करने के लिए प्रक्रिया को उलटने का विकल्प चुनते हैं। हम आपको बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के समक्ष आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों ने रविवार को यह जानकारी दी। तेलंगाना के पूर्व माओवादी ने अमित शाह से बातचीत करते हुए कहा, जब मैं भाकपा (माओवादी) का सदस्य था, तो मुझे नसबंदी करानी पड़ी थी। लेकिन जब मैंने हथियार छोड़ दिए और मुख्यधारा में शामिल हो गया, तो मैंने एक और ऑपरेशन करवाया ताकि मैं पिता बन सकूं। दूसरे ऑपरेशन के बाद, मैं एक बच्चे का पिता बना। उसने बताया कि प्रतिबंधित संगठन के सदस्यों के बीच यह धारणा है कि बच्चों की देखभाल से उनका ध्यान भटकेगा और इससे उनके आंदोलन को नुकसान पहुंचेगा। यह भी आशंका है कि शादी करने वाले कार्यकर्ता आंदोलन से मुंह मोड़ सकते हैं। इसकी वजह से विवाह करने वाली किसी भी काडर के लिए नसबंदी अनिवार्य है। पुरुष नसबंदी एक शल्य प्रक्रिया है जो वीर्य में शुक्राणु के प्रवाह को रोकती है जिससे स्थायी जन्म नियंत्रण (गर्भनिरोधक) होता है। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के आत्मसमर्पण कर चुके नक्सली मरकम दुला ने बताया, नक्सली कार्यकताओं के लिए शादी करने से पहले नसबंदी करवाना अनिवार्य है। नेता नहीं चाहते कि कोई भी सदस्य अपनी संतानों के साथ भावनात्मक रूप से जुड़े। इसलिए आगे का रास्ता नसबंदी है। पड़ोसी राज्य ओडिशा के मलकानगिरी के एक अन्य पूर्व माओवादी ने भी ऐसी ही कहानी बयां की।

शिल्पा शेट्टी ने कर्नाटक के जगद्गुरु रेणुकाचार्य मंदिर को यांत्रिक हाथी दान किया

एजेंसी

नई दिल्ली, अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने श्रीमद् रंभपुरी वीररुद्रमुनि जगद्गुरु के शताब्दी जन्म समारोह के लिए यहां श्री जगद्गुरु रेणुकाचार्य मंदिर को एक यांत्रिक हाथी रविवार को दान किया। कर्नाटक के मंत्री ईश्वर बी खांडरे ने वीरभद्र नामक यांत्रिक हाथी को सौंपते हुए कहा कि प्रौद्योगिकी ने मंदिरों में हाथी को बेड़ियों में बांधे बिना रखना संभव बना दिया है। रंभपुरी पीठ स्थित श्री जगद्गुरु रेणुकाचार्य मंदिर ने न तो जिंदा हाथियों को रखने और न ही किराए पर लेने का निर्णय लिया है। मंदिर के निर्णय की सराहना करते हुए वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण मंत्रालय का प्रभार संभाल रहे खांडरे ने कहा, कई अन्य मंदिरों और मठों ने मुझसे हाथी दान करने का अनुरोध किया। लेकिन वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के अनुसार हम किसी भी मंदिर को हाथी दान नहीं कर सकते। इन परिस्थितियों में रोबोट हाथी जैसी नयी तकनीकें आ गई हैं। मंदिर को हाथी का दान पीपुल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (पेटा) इंडिया और बेंगलुरु स्थित पशु कल्याण संगठन कम्पैशनेट अनलिमिटेड प्लस एक्शन (सीयूपीए) द्वारा किया गया।

न्यायालय अपर कलेक्टर लिंक कोर्ट प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

क्रमांक / 130 / वाचक/2024

सूरजपुर, दिनांक 05/12/2024

//ईश्तहार//

रा.प्र.क्र. 202005261900178/अ-19/2019-20

आगामी पेशी- 26/12/2024

मानमती पुत्री झरी साव, उम्र लगभग 50 वर्ष, निवासी ग्राम दुरती, तहसील प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.) व अन्य 01...आवेदक

बनाम

मोहरसाय आ. रामऔतार, जाति केंवट, निवासी ग्राम दुरती, थाना व तहसील प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

....अनावेदक

बनाम-

मोहरसाय आ. रामऔतार, जाति केंवट, निवासी ग्राम दुरती, थाना व तहसील प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

मानमती पुत्री झरी साव, उम्र लगभग 50 वर्ष, निवासी ग्राम दुरती, तहसील प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.) व अन्य 01 के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर ग्राम दुरती, तहसील प्रतापपुर स्थित भूमि खसरा नम्बर 821 रकबा 0.41 हे. भूमि का पट्टा निरस्त किये जाने संबंधी आवेदन पेश किया गया है, जिस पर इस न्यायालय के राजस्व प्रकरण क्रमांक-202005261900178/अ-19/2019-20, पक्षकार मानमती वगैरह प्रति मोहरसाय पंजीबद्ध कर कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। उपरोक्त प्रकरण में अनावेदक मोहरसाय आ. रामऔतार, जाति केवट, निवासी ग्राम दुरती, तहसील प्रतापपुर, जिला सूरजपुर (छ.ग.) को नोटिस तामिली न होने के कारण इस ईश्तहार के माध्यम से अनावेदक को सूचित किया जाता है कि आप इस न्यायालय में आगामी पेशी तिथि 26/12/2024 को न्यायालयीन समय दोपहर 02.00 बजे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति मय सबुत व दस्तावेज प्रस्तुत कर सकते है। यदि नियत तिथि पर आप अनुपस्थित रहते है तो आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी। यदि किसी कारणवश उक्त निर्धारित तिथि को न्यायालय में अवकाश घोषितहो जाता है तो प्रकरण की सुनवाई आगामी कार्य दिवस पर होगी। आज दिनांकः-05/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से ईश्तहार जारी किया गया।

अपर कलेक्टर

सूरजपुर (छ.ग.)

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०/अ-6-31/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक दुर्गाशरण सिंह चौहान आ० स्व० बृजभान सिंह चौहान उम्र लगभग 51 वर्ष निवासी बाबूपारा अम्बिकापुर, थाना व तहसील अम्बिकापुर छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला सत्तीपारा अम्बिकापुर स्थित प्लाट नम्बर 3377/10 रकबा 0.04, 1/2 डिसमिल भूमि एवं मोहल्ला बाबूपारा नगर अम्बिकापुर स्थित प्लाट नम्बर 3528/7 रकबा 11 डिसमिल भूमि का नक्शा बटांकन कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है ।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति ही तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 08/01/2025 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः-03/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,

अम्बिकापुर

न्यायालय सक्षम प्राधिकारी (व्यपवर्तन) एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा०) बैकुण्ठपुर जिला-कोरिया (छ०ग०)

//ईश्तहार//

सर्वसाधारण ग्राम शिवपुर तहसील बैकुण्ठपुर जिला कोरिया (छ०ग०) की आम जनता को इस ईश्तहार के जरिये सुचित किया जाता है कि आवेदक सचिन चौबे आ. भरतलाल चौबे निवासी वार्ड क्र० 3 चरचा कालरी, तहसील बैकुण्ठपुर जिला कोरिया (छ०ग०) द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम शिवपुर तहसील बैकुण्ठपुर ख०नं० 593/7 रकबा 0.0173 हे० स्थित है। आवेदक अपनी उक्त भूमि का आवासीय के लिए डायवर्सन बावत आवेदन पत्र, शपथ पत्र, खसरा, बी-1, नक्शा, सहित प्रस्तुत किया गया है। उपरोक्त के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में दिनांक 31/12/2024 तक आपत्ति पेश कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि के बाद प्राप्त आपत्तियों पर कोई सुनवाई नहीं होगी। आज दिनांक 16/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा के अधीन जारी ।

सक्षम प्राधिकारी (व्यपवर्तन)

एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा०)

बैकुण्ठपुर जिला-कोरिया (छ०ग०)

न्यायालय सक्षम प्राधिकारी (व्यपवर्तन) एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा०) बैकुण्ठपुर जिला-कोरिया (छ०ग०)

//ईश्तहार//

सर्वसाधारण ग्राम सरवी तहसील बैकुण्ठपुर जिला कोरिया (छ०ग०) की आम जनता को इस ईश्तहार के जरिये सुचित किया जाता है कि आवेदक छवि माईती आ. दुलालचंद जाति महिश्वर निवासी चरचा कालरी, तहसील बैकुण्ठपुर जिला कोरिया (छ०ग०) द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम सरडी तहसील बैकुण्ठपुर ख०नं० 165/26 रकबा 0.030 हे० स्थित है। आवेदक अपनी उक्त भूमि का आवासीय के लिए डायवर्सन बावत आवेदन पत्र, शपथ पत्र, खसरा, बी-1, नक्शा, सहित प्रस्तुत किया गया है। उपरोक्त के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में दिनांक 31/12/2024 तक आपत्ति पेश कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि के बाद प्राप्त आपत्तियों पर कोई सुनवाई नहीं होगी। आज दिनांक 16/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा के अधीन जारी ।

सक्षम प्राधिकारी (व्यपवर्तन)

एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा०)

बैकुण्ठपुर जिला-कोरिया (छ०ग०)

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र० 2024/2021700046/ब-121/2023-24

//ईश्तहार//

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मनीष सिंह आ० महेश्वर प्रताप सिंह, निवासी विजय भार्ग, सेन्ट्रल बैंक के सामने अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व की ग्राम भगवानपुरखुर्द स्थित भूमि खसरा नंबर 201/22 रकबा 0.011 हे० भूमि एवं उस पर निर्मित मकान अपने निजी कार्य हेतु रूपयों की आवश्यकता होने के कारण अनावेदक ईश्वर नाथ साह आ० स्व० राम बिलास साह, निवासी फुलवारी रोड दरीर्पारा अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०) को रू0 30,00,000/- (तीस लाख रू०) में विक्रय करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 06/01/2025 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 17/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

नायब तहसीलदार,

अम्बिकापुर-02

न्यायालय तहसीलदार राजपुर, जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)

रा०प्र०क्र०...ब-121/2024-25

ग्राम- उफिया तहसील राजपुर

-:: ईश्तहार::-

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सबन आ० स्व० रतिया जाति पहाडी कोरवा निवासी ग्राम उफिया थाना तहसील राजपुर जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज द्वारा अपने पिता स्व० रतिया की ग्राम उफिया में दिनांक 10.04.2011 को हुआ है। किन्तु जन्म/मृत्यु पंजीयन कार्यालय में नियत समय में अज्ञानता वंश कार्य व्यस्तता के कारण पंजीयन नहीं करा पाने के कारण पंजीयन हेतु आवेदन पत्र शपथ पत्र पेश है। जो न्यायालय में मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु विचाराधीन है। आवेदक के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तिथि 16/12/2024 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 04/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी

राजपुर, जिला-बलरामपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०- 202303021000013/ब-121/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक विशाल अग्रवाल आ० घनश्याम दास अग्रवाल निवासी खरसिया रोड अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा मोहल्ला बाबूपारा नगर अम्बिकापुर स्थित प्लाट नम्बर 3467/4866/32 रकबा 195.90 वर्गमीटर भूमि से प्रस्तावित नक्शानुसार भू-तल में रकबा 105.41 वर्गमीटर, प्रथम तल रकबा 105.41 वर्गमीटर, द्वितीय तल रकबा 81.98 वर्गमीटर पर आवासीय भवन निर्माण कराने हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टेनेन्स खसरा एवं प्रस्तावित ब्लूप्रिंट नक्शा की प्रति सहित आवेदन पत्र भवन निर्माण शाखा में प्रस्तुत किया है जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय प्राप्त हुआ है । उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 08/01/2025 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः-17/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,

अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०./अ-2/2023-24

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक अशोक कुमार गुहा आ० स्वं० मनीन्द्रनाथ गुहा निवासी 196 यूनी होम्स सोसायटी, भटागांव रायपुर तहसील रायपुर जिला रायपुर (छ०ग०) द्वारा निवेदन किया गया है, कि उसके स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अंबिकापुर खसरा नंबर नबर 2007/18, रकबा 0.019 हे0 जिसे उसने दिनांक 17/11/1997 को रामऔतार अग्रवाल आ० स्व० दुल्लीचन्द्र अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर के द्वारा विक्रय पत्र से प्राप्त हुआ है, तथा जो भूमि रामऔतार अग्रवाल आ० स्व० दुल्लीचन्द्र के नाम से व्यपवर्तित हो चुकी है, उक्त भूमि का पुर्ननिर्धारण के लिए आवेदन पत्र, बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की छायाप्रति संहित आवेदन प्रस्तुत किया है. जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 28/12/2024 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 12/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा)

अम्बिकापुर

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

नोलन की अगली फिल्म में शामिल हुई ऑस्कर विनर लुपिता न्योंगो

लुपिता न्योंगो क्रिस्टोफर नोलन की अगली फिल्म के चर्चित कलाकारों में शामिल होने वाला नया नाम है। फिल्म को लेकर गोपनीयता बनाई गई है।

मैट डेमन, टॉम हॉलैंड, जैंडेया और ऐनी हैथवे भी इस प्रोजेक्ट का हिस्सा हैं। ऐसे में लुपिता न्योंगो का इस फिल्म में शामिल होना इस बात का संकेत देता है कि क्रिस्टोफर नोलन अपने फैंस को एक बड़े प्रोजेक्ट का तोहफा देने वाले हैं। 'ओपेनहाइमर' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म बनाने के लिए दुनियाभर से बधाई मिलने के बाद क्रिस्टोफर नोलन अपनी अपने अगले प्रोजेक्ट की ओर रुख कर रहे हैं। बेस्ट डायरेक्टर की खिताब से नवाजे जाने के बाद निर्देशक उसी स्टूडियो में एक बार फिर वापस लौट रहे है, जहां से उनके ऑस्कर तक जाने का सफर आसान हुआ था। अब हाल ही में, क्रिस्टोफर नोलन की फिल्म ऑस्कर विजेता लुपिता न्योंगो भी शामिल हो गई हैं, जिससे फैंस का उत्साह भी सातवें आसमान पर है। लुपिता न्योंगो क्रिस्टोफर नोलन की अगली फिल्म के चर्चित कलाकारों में शामिल होने वाला नया नाम है। फिल्म को लेकर गोपनीयता बनाई गई है। मैट डेमन, टॉम हॉलैंड, जैंडेया और ऐनी हैथवे भी इस प्रोजेक्ट का हिस्सा हैं। ऐसे में लुपिता न्योंगो का इस फिल्म में शामिल होना इस बात का संकेत देता है कि क्रिस्टोफर नोलन अपने फैंस को एक बड़े प्रोजेक्ट का तोहफा देने वाले हैं। यह फिल्म 17 जुलाई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। क्रिस्टोफर नोलन की इस फिल्म की शूटिंग 2025 में शुरू होने की उम्मीद है।

टॉलीवुड

'स्पिरिट' में प्रभास के साथ पर्दे पर रोमांस करते नजर आएगी मृणाल

संदीप रेड्डी वांगा ने दो हिट फिल्मों 'कबीर सिंह' और 'एनिमल' के साथ बॉलीवुड में अपने लिए जगह बनाई है। और अब, वह पैन इंडिया स्टार प्रभास की मुख्य भूमिका वाली एक और बड़ी फिल्म 'स्पिरिट' बनाने के लिए तैयार हैं। फिल्म में प्रभास एक पुलिस वाले के किरदार में होंगे और इसके 2025 की पहली तिमाही में फ्लोर पर जाने की उम्मीद है। इसी बीच फिल्म की स्टारकास्ट पर आए नए और बड़े अपडेट ने प्रशंसकों के उत्साह को चरम पर पहुंचा दिया है। 'स्पिरिट' की टीम वर्तमान में प्री-प्रोडक्शन के साथ-साथ फिल्म के लिए कास्टिंग भी कर रही है। रिपोर्ट की मानें तो निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा और निर्माता भूषण कुमार इस एक्शन फिल्म की फीमेल लीड के लिए अभिनेत्री मृणाल ठाकुर के साथ बातचीत कर रहे हैं। फिल्म 'स्पिरिट' भारतीय सिनेमा की सबसे महत्वाकांक्षी और प्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इसके निर्माता कथित तौर पर फिल्म में सर्वश्रेष्ठ और सबसे प्रतिभाशाली अभिनेताओं को शामिल करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। खबरें तो यह भी हैं कि इसमें रियल लाइफ कपल करीना कपूर खान और सैफ अली खान भी नजर आएंगे। फिल्म में दोनों की नकारात्मक भूमिका होने की अटकलें हैं। 'स्पिरिट' को एसआरवी और हिंदी सिनेमा की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक बताया जा रहा है। यह पुलिस आधारित फिल्मों को आम तौर पर देखने के तरीके को बदलने का उनका प्रयास माना जा रहा है। फिल्म में अच्छे-बुरे किरदार के साथ-साथ कुछ ग्रे एलिमेंट्स भी हैं, जिनके लिए वांगा को जाना जाता है। इस फिल्म में भी हर्षवर्धन रामेश्वर संगीत दे रहे हैं, जिन्होंने संदीप की पिछली ब्लॉकबस्टर 'एनिमल' में संगीत दिया था। 'स्पिरिट' का निर्माण भद्रकाली पिक्चर्स और टी-सीरीज द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। 'स्पिरिट' के 2026 में रिलीज होने की संभावना है। फिल्म की समाप्ति के तुरंत बाद संदीप रेड्डी वांगा रणबीर कपूर के साथ 'एनिमल पार्क' की शूटिंग के लिए आगे बढ़ेंगे।

भोजपुरी

'सास की सगाई' में प्रिंस सिंह और पायस पंडित फोड़ेंगे हंसी के बुलबुले

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में सामाजिक और मनोरंजक फिल्मों के लिए प्रसिद्ध सुपरस्टार प्रिंस सिंह राजपूत और एक्ट्रेस पायस पंडित जल्द ही एक नई सामाजिक फिल्म 'सास की सगाई' लेकर आ रहे हैं। यह फिल्म एभीईओ फिल्म प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले बन रही है। फिल्म के निर्माता अनिल कुमार और निर्देशक रितेश ठाकुर हैं। फिल्म को लेकर निर्माता अनिल कुमार ने बताया कि 'सास की सगाई' न केवल एक मनोरंजक फिल्म है, बल्कि यह पारिवारिक और सामाजिक रिश्तों को लेकर कई अहम संदेश देती है। फिल्म का निर्देशन और कहानी दोनों ही दर्शकों को बांधे रखने का वादा करते हैं। फिल्म के संगीत और संवादों पर विशेष ध्यान दिया गया है, जिससे यह सभी वर्गों के दर्शकों के बीच लोकप्रिय हो सके। उन्होंने आगे कहा कि 'सास की सगाई' एक ऐसी फिल्म होगी जो हंसी के साथ-साथ सामाजिक पहलुओं को भी उजागर करेगी। भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में सामाजिक और पारिवारिक फिल्मों की बढ़ती मांग को देखते हुए, यह फिल्म दर्शकों को पसंद आएगी। उन्होंने कहा कि फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा जल्द ही की जाएगी। 'सास की सगाई' को लेकर दर्शकों में उत्साह बढ़ रहा है।

पेरिस की शान

इस सर्द मौसम में पेरिस फैशन वीक सृजनात्मकता के नए आयाम तय कर रहा है। मेंस फैशन में डिजाइनर अनूठे प्रयोग कर रहे हैं। यहां एक शो के दौरान हैंडबैग के साथ माडल को अलग-अलग ड्रेस में एक साथ मंच पर उतारा गया। इस प्रयोग की फैशन पसंद लोगों ने खूब तारीफ की।

रूसी हटाने के लिए कपूर है बेहतर विकल्प

सर्दी का मौसम शुरू होते ही लोग एक बड़ी समस्या से घिर जाते हैं, वो समस्या है सिर पर डैंड्रफ का जमना। इसके लिए कपूर भी एक बेहतर विकल्प है। दरअसल, कपूर में एंटी-फंगल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो सिर पर जमी रूसी को कम करने में मदद करते हैं।

तेल के साथ कपूर का इस्तेमाल

कपूर का इस्तेमाल रूसी हटाने के लिए करना चाहते हैं, तो ये सबसे आसान तरीका है। इसके लिए कपूर को नारियल तेल या बादाम तेल के साथ मिलाकर लगाया जा सकता है। इसके लिए आपको एक चम्मच नारियल तेल और 1/4 चम्मच कपूर पाउडर की जरूरत पड़ेगी।

इस्तेमाल की विधि

इस विधि से कपूर का इस्तेमाल करने के लिए सबसे पहले नारियल के तेल को हल्का गर्म करें। अब इसमें कपूर पाउडर मिलाएं और अच्छे से घोल लें। इस मिश्रण को स्कैल्प पर लगाकर धीरे-धीरे मसाज करें। इसे 30-40 मिनट तक लगा रहने दें। इसके बाद अपने बालों को धो लें।

कपूर और नींबू का मिश्रण

नींबू का रस और कपूर का मिश्रण स्कैल्प को साफ करने में मदद करता है। इस विधि से कपूर को इस्तेमाल करने के लिए आपको 1 चम्मच नींबू का रस और 1/4 चम्मच कपूर पाउडर की जरूरत पड़ेगी।

इस्तेमाल की विधि

इसके लिए नींबू के रस में कपूर पाउडर मिलाएं। इसे सीधे स्कैल्प पर लगाएं। 15-20 मिनट के बाद गुनगुने पानी से बाल धो लें। इसका असर आपको कुछ ही दिनों में दिखने लगेगा । इसके इस्तेमाल से फंगल संक्रमण में मदद मिलती है।

कपूर और दही का हेयर मास्क

कपूर और दही का हेयर मास्क स्कैल्प को पोषण देता है और रूसी हटाने में मदद करता है। इसके लिए आपको 2 चम्मच ताजा दही और 1/4 चम्मच कपूर पाउडर की जरूरत पड़ेगी।

इस्तेमाल की विधि

इसके इस्तेमाल के लिए दही में कपूर पाउडर मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। इसे स्कैल्प और बालों पर लगाएं। 30 मिनट के लिए छोड़ दें और फिर अपने बालों को माइल्ड शैम्पू से बाल धो लें।

दोबारा लौट रहा हाथ से बने स्वेटर का ट्रेंड, पसंद आएंगी नई डिजाइन

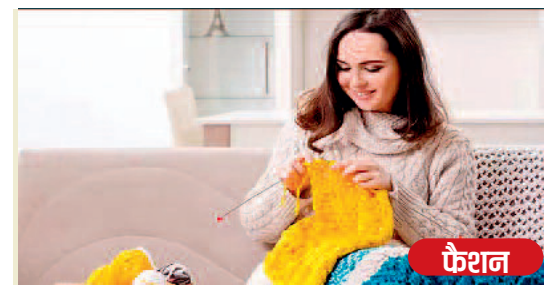

एक बार फिर से अब लोगों का झुकाव टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल फैशन की ओर बढ़ रहा है। ऐसे में उन्हें फिर से काफी समय के बाद हाथ से बुने स्वेटर काफी पसंद आ रहे हैं। कई लोगों के लिए हाथ से बने स्वेटर उनके बचपन की यादें वापस लाते हैं, जब दादी या मां सर्दियों में स्वेटर बुनती थीं। इनसे न सिर्फ यादें जुड़ी होती हैं, बल्कि ये लंबे समय तक चलते हैं क्योंकि यो उच्च गुणवत्ता वाली ऊन से बने होते हैं। हाथ से बुने स्वेटर की हर डिजाइन काफी अलग होती है, जो उन्हें बाजार में मिलने वाले स्वेटरों से अलग बनाता है। ऐसे में अब लोग स्वेटर बुनना सीख रहे हैं ताकि वे अपने कपड़ों में पर्सनल टच दे सकें।

पहली डिजाइन

यदि आपको शॉर्ट कार्डिगन पसंद हैं तो आप ऐसी डिजाइन का चयन कर सकती हैं। ऐसा कलरफुल डिजाइन बनाकर उसके बीच-बीच में दिल बनाएं। ये आप अपनी किसी दोस्त को भी बनाकर तोहफे में दे सकती हैं। इसी जींस के अलावा सूट के साथ भी पहना जा सकता है।

दूसरी डिजाइन

तीन रंगों वाली ऐसी ऊनी जैकेट आपके लुक को स्टाइलिश बनाने का काम करेगी। ऐसी जैकेट बनाना आपके लिए काफी आसान रहेगा, क्योंकि इसमें किसी तरह की डिजाइन नहीं पड़ी है। इसमें आपको सीधी-सीधी बुनाई करनी है, चाहें तो इसमें कैप भी बुन लें, ताकि ये आपकी परफेक्ट जैकेट बन जाए।

तीसरी डिजाइन

यदि कार्डिगन और जैकेट नहीं बुनना चाहती हैं तो ऐसे स्वेटर का चयन करें। ऐसा स्वेटर सर्दी के मौसम में आपको न सिर्फ ठंड से बचाएगा, बल्कि इससे आपका लुक भी प्यारा दिखेगा। इस स्वेटर के लिए रंगों का चयन अपने हिसाब से करें, तकि ये पहनकर अच्छा दिखे।

सर्दी के मौसम में गलती से भी चेहरे पर न लगाएं ये चीजें, वरना फटने लगेगी त्वचा

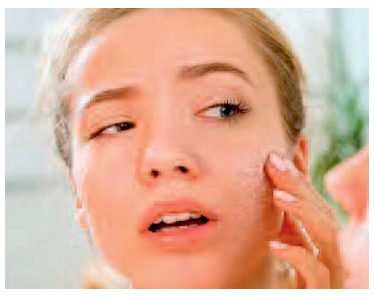

दिसंबर का महीना चल रहा है, ऐसे में कम आद्रता वजह से लोगों की स्किन काफी ड्राई होने लगी है। कई बार तो स्किन इतनी रूखी हो जाती है, कि त्वचा पर पपड़ी जमने लगती है और ये रूसी की ही तरह झड़ती भी है। यही वजह है कि सर्दी के मौसम में त्वचा का खासतौर पर ध्यान रखना चाहिए।

वैसे तो इस मौसम में हर स्किन टाइप के हिसाब से बॉडी लोशन मिलते हैं, जोकि त्वचा की नमी बरकरार रखते हैं, लेकिन बावजूद इसके बहुत से लोग घरेलू नुस्खों पर काफी भरोसा करते हैं। ऐसे में बहुत से लोग कुछ ऐसी चीजों का इस्तेमाल भी कर लेते हैं, जिनकी वजह से उनकी त्वचा और ज्यादा रूखी हो जाती है। इसी को देखते हुए हम यहां आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनका सर्दियों में इस्तेमाल गलती से भी न करें। यदि करने जा रहे हैं तो इस्तेमाल करने से पहले आपको एक बार जरूर पैच टेस्ट कर लें।

एल्कोहल-बेस्ड प्रोडक्ट्सः सर्दी के मौसम में कभी भी एल्कोहल बेस्ड प्रोडक्ट इस्तेमाल न करें। ये त्वचा को और अधिक रूखा बना सकता है। टोनर या अन्य स्किनकेयर प्रोडक्ट्स चुनते समय यह सुनिश्चित करें कि वे एल्कोहल-फ्री हों, ताकि इसकी वजह से त्वचा पर कोई असर न पड़े।

गर्म पानी से न धोएं चेहराः चेहरे को धोने या साफ करने के लिए अत्यधिक गर्म पानी का इस्तेमाल न करें। यह त्वचा के नेचुरल ऑयल को छीन लेता है, जिससे त्वचा और ज्यादा ड्राई हो सकती है। इसलिए हमेशा कदम हल्के गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें।

हार्श स्क्रबः सर्दी के मौसम में कभी भी कड़े स्क्रब्स का इस्तेमाल न करें। ये त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं और सर्दियों में त्वचा को अधिक संवेदनशील बना सकते हैं।

सर्दी की वजह से टूटने लगे हैं नाखून तो ऐसे रखें उनका ध्यान, आसान है तरीका

यदि सर्दी की वजह से आपके भी नाखून अपने आप टूटने लगे हैं तो कुछ आसान तरीके अपनाकर आप इनका ध्यान रख सकते हैं। सर्दियों के मौसम में त्वचा और बालों का खासतौर पर ध्यान रखना पड़ता है, क्योंकि इस मौसम में त्वचा और बाल काफी डल होने लगते हैं। ऐसे में लोग इनका ध्यान रखने के लिए तमाम तरह के स्किन केयर प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते हैं। त्वचा और बालों का ध्यान रखते-रखते लोग अपने नाखूनों का ध्यान रखना भूल जाते हैं, जिस वजह से नाखून अपने आप टूटने लगते हैं।

दरअसल, सर्दी के मौसम में नाखूनों के टूटने का मुख्य कारण ठंड और शुष्क वातावरण में नमी की कमी होती है। जिससे त्वचा और नाखून सूख जाते हैं। यह सूखापन नाखूनों को कमजोर बना देता है, जिससे वे आसानी से टूटने लगते हैं। इसके अलावा सर्दियों में लोग कम पानी पीते हैं, जिससे शरीर के अंदर और बाहर नमी की कमी हो सकती है। इसका प्रभाव नाखूनों पर भी पड़ता है। ऐसे में यदि आप भी नाखूनों के टूटने से परेशान है तो कुछ नुस्खे अपनाकर इनका ध्यान रख सकते हैं।

करें मॉइस्चराइज करेंः सर्दी के मौसम में अपने नाखूनों और उसके त्वचा को अच्छी तरह से मॉइस्चराइज करें। इसके लिए नारियल का तेल, जैतून का तेल या विटामिन ई युक्त क्रीम का इस्तेमाल करें। सोने से पहले नाखूनों पर तेल लगाकर हल्की मालिश करें।

कार्नर न्यूज — इस मौसम में खास ध्यान रखें अपने लुक का

सर्दी में तफरीह के लिए खुद को नए ढंग से करें स्टाइल, लोगों की नजरें टिकी रहेंगी सिर्फ आप पर

साल का अंत होने वाला है और सर्दी का मौसम भी शुरू हो गया है। ऐसे में लोग अपनी बची हुई छुट्टियों का इस्तेमाल करने के लिए घूमने जा रहे हैं। बहुत से लोग अपने परिवार के साथ घूमने जा रहे हैं, तो वहीं बहुत से लोग अपने दोस्तों के साथ घूमने जा रहे हैं। बहुत से लड़के तो सोलो ट्रिप पर ही निकल जाते हैं। लड़कियां अपनी ट्रिप के लिए काफी शॉपिंग करती हैं और अपना काफी अलग सा विंटर लुक क्रिएट करती हैं, लेकिन लड़कों के सामने ये दिक्कत आती है कि उन्हें समझ ही नहीं आता कि वो क्या पहनकर घूमने जाएं। ऐसे में हम आपको विंटर फैशन टिप्स देने जा रहे हैं। हम यहां कुछ ऐसे अभिनेताओं के लुक्स आपको दिखाने जा रहे हैं, जिनसे टिप्स लेकर आप अपने लिए खरीदारी कर सकते हैं।

डेनिम जैकेट लगेगी कूल

यदि आप कूल दिखना चाहते हैं तो अपने लुक को पूरा करने से लिए ऐसी ही डेनिम जैकेट पहनें। इस जैकेट के साथ सफेद रंग की टीशर्ट या फिर स्वेटशर्ट कैरी करें। ब्लैक जींस के साथ आपका ये लुक कमाल का लगेगा। कोशिश करें कि इसके साथ सफेद रंग के ही जूते पहनें।

ज्यादा ठंडी के लिए ये है सही विकल्प

यदि आप किसी ऐसी जगह जा रहे हैं, जहां काफी ज्यादा ठंड पड़ती है, तो आपके पास अच्छी जैकेट होना काफी जरूरी है। इसके लिए डार्क रंग की हैवी सी जैकेट खरीदें। इसके साथ डार्क रंग की जींस पहनें। कभी भी अपने विंटर लुक के साथ चश्मा लगाना न भूलें।

हल्के रंग की जैकेट

यदि आपको हल्के रंग की जैकेट पहनना पसंद है तो वरुण धवन के इस लुक से टिप्स लें। इस हल्के रंग की जैकेट के साथ ब्लैक टीशर्ट और ब्लैक रंग की ही जींस पहनें। ऑल ब्लैक लुक के साथ आप पर लाइट रंग की जैकेट काफी ज्यादा जचेगी।

लेदर जैकेट बचाएगी ठंड

लड़कों को लेदर जैकेट काफी पसंद आती है। ये काफी ट्रेंड में भी रहती है। इसे आप डेनिम ब्लू जींस के साथ कैरी कर सकते हैं। इसके साथ चाहें तो ब्लैक टीशर्ट पहनें, नहीं तो आप सफेद रंग की टीशर्ट भी कैरी कर सकती हैं।

ब्लेजर पहनें

अपने लुक को क्लासी बनाने के लिए आप जींस और टीशर्ट के साथ ब्लेजर कैरी कर सकते हैं। जींस के साथ ब्लेजर देखने में काफी अच्छा लगता है। यदि डार्क रंग की शर्ट पहन रहे हैं तो हल्के रंग का ब्लेजर पहनें, ताकि लुक अच्छा दिखे।

हाफ जैकेट पहनें

यदि आपको हाफ जैकेट पहनना पसंद है तो सफेद रंग की स्वेट शर्ट के साथ आप हाफ जैकेट कैरी कर सकते हैं। हाफ जैकेट कूल लुक देने में आपकी मदद करेगी। इसके साथ भी चश्मा जरूर लगाएं, ताकि आपका लुक अच्छा दिखे।

एक दिवसीय एग्रीटेक के संबंध में किसान किये गए प्रशिक्षित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नन्दिनी साहू के निर्देशानुसार जिला-ई गवर्नेंस द्वारा ब्लॉक के सभी सामान्य सेवा केंद्र की एक दिवसीय एग्रीटेक के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। एग्रीटेक पोर्टल भारत सरकार द्वारा बनाया गया है। जिसमे प्रत्येक किसान का एक यूनिक आई.डी. बनाया जाना है। इस यूनिक आई डी के माध्यम से किसानों को कृषि सेवा से जुड़ी केंद्र सरकार और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ पहुचाया जा सकता है।

इस प्रशिक्षण सत्र में उपस्थित जिला-ई गवर्नेंस, ब्लॉक फेलो, सीएससी मैनेजर तथा ब्लॉक के सभी सामान्य सेवा केंद्र के उपस्थित थे।

जिले में अब तक 24089 किसानों ने बेचा है 11.85 लाख क्विंटल धान

धान उठाव हेतु 6 मिलों को जारी किया गया 44320 क्विंटल का डीओ

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में धान खरीदी प्रगति पर है। 14 नवंबर से प्रारंभ 24089 किसानों से 11.85 लाख क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है। किसानों द्वारा बेचे गए धान को उचित तरीके से संग्रहित व परिवहन हेतु जिले में 35 राइस मिल संचालकों के साथ अनुबंध किया गया है। इनमें से 6 मिलों को 44320 क्विंटल धान का डीओ जारी किया गया है। डीओ जारी होने के बाद 9000 क्विंटल धान उठाव किया गया है। जिले के धान उपार्जन केंद्रों से 43307 क्विंटल धान का संग्रहण केंद्रों में उठाव किया जा चुका है। प्रशासन द्वारा धान उठाव और संग्रहण प्रक्रिया को व्यवस्थित और पारदर्शी बनाने के लिए ठोस कदम उठाए हैं।

धान खरीदी का यह अभियान 31 जनवरी 2025 तक चलेगा। इस दौरान किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य के तहत धान बेचने की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। खाद्य विभाग द्वारा किसानों की समस्याओं के निवारण के लिए राज्य स्तरीय हेल्पलाइन नंबर 1800-233-3663 जारी किया गया है। यह हेल्पलाइन किसानों को उनकी समस्याओं का समाधान उपलब्ध कराने में मददगार साबित हो रही है।

जिला प्रशासन द्वारा इस अभियान को सफल बनाने के लिए प्रभावी प्रबंधन व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए उपार्जन केंद्रों में आ रही समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाने के प्रयास किए जा रहे हैं। प्रशासन ने संबंधित राइस मिल संचालकों से जल्द से जल्द बैंक गारंटी जमा शीघ्र धान उठाव कर डीओ जारी कराकर धान उठाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन ने यह भी सुनिश्चित किया है कि उपार्जन प्रक्रिया में किसी प्रकार की अनियमितता न हो और किसानों को उनका पूरा हक मिले।

क्षेत्र में घूम रहा जिला बदर का आरोपी चढ़ा बसदेई पुलिस हत्थे

3 स्थाई वारंट में गिरफ्तार कर न्यायालय में किया गया पेश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। तयशुदा वक्त से पहले क्षेत्र में घूम रहे जिला बदर के आरोपी को पुलिस ने दबिश देकर पकड़ा है। बताया गया है कि आरोपी के विरूद्ध 3 स्थाई वारंट भी न्यायालय से जारी था जिसके तहत् उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है। जिला दण्डाधिकारी सूरजपुर के द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 3 व 5 के तहत इस वर्ष 8 अप्रैल को आदतन अपराधी राजेश साहू पिता राम नारायण साहू ग्राम खड़गवां चौकी बसदेई को 1 वर्ष के लिए जिला बदर का आदेश जारी किया था। जिसमें जिला सूरजपुर तथा सीमावर्ती राजस्व जिला सरगुजा, कोरबा, कोरिया, बलरामपुर,

रामानुजगंज, मनेन्द्रगढ़, सिंगरौली जिला क्षेत्र से एक वर्ष के लिए बाहर चले जाने का आदेश था। लेकिन जिला दण्डाधिकारी के आदेशों का उल्लघंन कर आरोपी राजेश साहू 17 दिसंबर को ग्राम खड़गवां व बंजा में देखे जाने की सूचना चौकी बसदेई पुलिस को मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस ने ग्राम बंजा में दबिश देकर जिला बदर आरोपी राजेश साहू को पकड़ा। जिसके विरूद्ध न्यायालय से जारी मारपीट, झूठा साक्ष्य सहित अन्य धाराओं में 3 स्थाई वारंट जारी हुआ था। आरोपी को गिरफ्तार कर स्थाई वारंट के परिपालन में न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। आरोपी जिला बदर होने के बाद भी बिना वैध अनुमति के जिले में प्रवेश करने पर अग्रिम कार्यवाही किया जा रहा है।

श्रमदान कर की गई महाविद्यालय परिसर की साफ सफाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ सरकार के सुशासन के एक वर्ष पूर्ण होने पर जिले में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में मंगलवार को यहां के रेवती रमण महाविद्यालय, परिसर में श्रमदान का आयोजन किया गया।

इस आयोजन में कलेक्टर एस. जयवर्धन के नेतृत्व में जिले में स्वच्छता मिशन को बढ़ावा देने और आमजनों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय परिसर में किया गया। कार्यक्रम अवसर पर एसडीएम शिवानी जायसवाल, मुख्य नगर पलिका अधिकारी प्रभाकर शुक्ला , जिला सेनानी संजय गुप्ता, सहायक प्राध्यापक चंद्रभूषण मिश्र, एस.आई. राकेश पाण्डेय, नगरसेना, अग्निशमन, एनसीसी, एन.एस.एस. सहित नगर पालिका के कर्मचारी शामिल रहे।

23 दिसंबर को होगा कुदरगढ़ ट्रस्ट के अध्यक्ष पद का चुनाव

कुदरगढ़ धाम के विकास कार्यों को लेकर हुई ट्रस्ट की बैठक में लिया गया निर्णय

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। माँ बागेश्वरी लोक न्यास कुदरगढ़ धाम के विकास कार्यों को लेकर मंगलवार को

यहां संयुक्त जिला कार्यालय में ट्रस्ट की बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में कुदरगढ़ धाम में आगामी दिनों में किये जाने वाले विकास कार्यों एंव अन्य विषयों के संबंध में चर्चा की गई। जिसमे रोपवे निर्माण का विषय भी शामिल था। इसके साथ ही ट्रस्ट के नये अध्यक्ष पद हेतु निर्वाचन के संबंध में भी विचार विमर्श किया गया। जिसमें सर्व सहमति से सभी उपस्थितो द्वारा 23 दिसंबर तिथि का प्रस्ताव अध्यक्ष चुनाव के लिए रखा गया है जो कुदरगढ़ मंदिर प्रांगण में किया जाना है। उक्त बैठक में पूर्व गृह मंत्री रामसेवक पैकरा, भीमसेन अग्रवाल, ओमकार पाण्डेय, आजीवन सदस्य व अन्य सदस्य, कलेक्टर एस जयवर्धन, डीएफओ पंकज कमल, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू, एसडीएम सागर सिंह राज, जनपद सीईओ डॉ नृपेन्द्र सिंह व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

जिला स्तरीय यूथ एवं इको क्लब का हुआ दो दिवसीय प्रशिक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यहां के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में जिला स्तरीय यूथ एवं इको क्लब का दो दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

किया गया।

जिला शिक्षा अधिकारी राम ललित पटेल एवं जिला मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा शशिकांत सिंह के मार्गदर्शन व सहायक परियोजना अधिकारी समग्र शिक्षा सोभनाथ चौबे के नेतृत्व में जिला स्तर पर विकासखंड के मास्टर ट्रेनरों का दो दिवसीय प्रशिक्षण 16 एवं 17 दिसंबर को शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में संपन्न हुआ। जिसमें विकासखंड के मास्टर ट्रेनरों ने यूथ एवं इको क्लब में पोषण वाटिका के अंतर्गत छात्रों के भविष्य के लिए एक कदम, जगह का चयन, मिट्टी की तैयारी, फसल का चयन, फसल चक्र, बीच संकलन, प्रदर्शनी, नक्शा, बुवाई, फसल वृद्धि के कारण, फसल सुरक्षा तथा कटाई जैसे उद्देश्यों को समझाया गया। इसके अलावा प्लास्टिक साक्षरता के अंतर्गत पानी में प्रदूषण, समुद्र पर प्लास्टिक के दुष्परिणाम, प्लास्टिक का परिचय, प्लास्टिक और उसके प्रकार, प्लास्टिक का सफर, प्लास्टिक के दुष्परिणाम, प्लास्टिक के विकल्प, जमीन मेला से संबंधित गतिविधियां कराई गई। इस प्रशिक्षण में जिले के छः विकास खंडों के मास्टर ट्रेनरों ने पूरी तन्मयता से प्रशिक्षण लिया। कार्यक्रम के सफल संचालन में मास्टर ट्रेनर लक्ष्मी सिंह राठौर एवं राजीव कुमार सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

बच्चियों ने शिक्षक पर लगाया छेड़छाड़ का आरोप

रामचंद्रपुर विकासखंड के पूर्व माध्यमिक शाला सनवाल का मामला

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

रामानुजगंज। रामचंद्रपुर विकासखंड में गुरु और शिष्य के रिश्तो को कलंकित करने वाला एक मामला सामने आया है शिकायत के बाद विकासखंड शिक्षा अधिकारी सदानंद कुशवाहा के द्वारा जांच की जा रही है उक्त संबंध में जब कुशवाहा को फोन लगाया गया तो उनके द्वारा फोन रिसीव नहीं किया गया ना ही कॉल बैक किया गया अपनी लापरवाही को छुपाने के लिए शायद उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। जांच के बाद जिले के सक्षम अधिकारी इस पर क्या निर्णय लेते हैं इसके बाद ही यह खुलासा हो पाएगा कि विभाग आरोपी शिक्षक को बचाने का प्रयास कर रहा है या पीड़ित को न्याय दिलाने का? विभागीय सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार पूर्व माध्यमिक शाला सनवाल के 6 बच्चियों के द्वारा वहां पर पदस्थ शिक्षक मोहम्मद शाहिद पर छेड़छाड़ का आरोप

लगाते हुए पुलिस थाना सनवाल में अपना आवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा गया है कि मोहम्मद शाहिद छात्राओं को क्लास रूम में बंद करके बच्चियों के साथ छेड़छाड़ किया करता है पूर्व में इसकी शिकायत बच्चियों के द्वारा अपने परिजनों एवं प्राचार्य को भी किया जा चुका है अब यह मामला देखते-देखते तुम पकड़ता जा रहा है शिक्षा विभाग के कोई भी वरिष्ठ अधिकारी अपना बयान देने से किनारा करते हुए नजर आ रहे हैं। सरगुजा संभाग में आए दिन लगातार शिक्षकों की गैर जिम्मेदाराना हरकत सुर्खियां बनती नजर आ रही है।

निर्वाचन प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहने पर 04 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। आगामी नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2024-25 कार्य सुचारू रूप से सम्पन्न कराने हेतु कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री राजेन्द्र कटारा के द्वारा आम निर्वाचन हेतु अधिकारियों-कर्मचारियों को विभिन्न दायित्वों के लिए ड्यूटी लगाई गई है। साथ ही उन्हें प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। विगत दिवस प्रथम चरण में 16 दिसम्बर 2024 को कलेक्टर के मार्गदर्शन में संयुक्त जिला कार्यालय के सभा कक्ष में प्रशिक्षण आयोजित किया गया था। उक्त प्रशिक्षण में एडीपीओ श्री मनोहर लाल जयसवाल, जिला मिशन समन्वयक श्री रामप्रकाश जयसवाल, तहसीलदार पूनम रश्मि तिग्गा, व्याख्याता अंजू गुप्ता अनुपस्थित थे। जिसके लिए उप जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) श्री शशि चौधरी के द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए है।

प्रधानमंत्री आवास योजना से पक्के आवास के सपने हो रहे पूरे

० सरकारी योजनाओं से हितग्राहियों को लाभान्वित करने शासन प्रतिबद्ध ० प्रेमसाय को मिला पक्का आवास

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राज्य शासन के द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से जिले में गरीब आदिवासी परिवारों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराते हुए उनके सामाजिक और आर्थिक विकास में सहयोग प्रदान कर उन्हे विकास के पथ पर अग्रसर करना है। मुख्यमंत्री श्री साय के शासन काल में आदिवासी बसाहटों में विकास की पहल तेज हुई है।

जहां आदिवासी लोगों के उत्थान के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इन्ही प्रयासों का नतीजा है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में आदिवासी परिवारों को शासन की योजनाओं जैसे प्रधान मंत्री आवास, आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड, राशन कार्ड, आदि महत्वपूर्ण योजनाओं से लाभान्वित हो रहे हैं। इन्हीं योजनाओं से लाभान्वित श्री प्रेमसाय पक्के आवास के लिए

प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया है। वे बताते हैं जिले के विकासखण्ड राजपुर के ग्राम पंचायत अमदरी के निवासी है। पक्के मकान से पहले वो मिट्टी से बनाए गए मकान में रहने को मजबूर थे। मिट्टी से बने घर में उन्हें काफी तकलीफों का सामना करना पड़ रहा था। आगे वे बताते हैं कि खेती और मजदूरी कर वह अपना जीवन यापन करते हैं। ऐसे में घर बनाने के लिए असहाय थे। तब शासन के द्वारा पक्का आवास मिला। श्री प्रेमसाय ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की योजना से हुए परिवर्तन के बारे में बताया कि आज उनका खुद का पक्का आवास है। वे कहते हैं हम जैसे आदिवासी जनजातियों के लिए प्रधानमंत्री संवेदनशीलता दिखाते हुए प्राथमिकता से कार्य कर रहे हैं। प्रेमसाय के पास आज आधार कार्ड भी है जिसके माध्यम से अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ उठाने में सक्षम है। प्रधानमंत्री आवास योजना के साथ ही शासन की अन्य योजनाओं के तहत उनके परिवार के सभी सदस्यों के आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड और बैंक खाते भी बनाए गए। प्रेमसाय की पत्नी को महतारी वंदन योजना के तहत हर माह 1000 रुपये भी मिल रहा है। प्रेमसाय ने बताया कि योजना ने केवल उन्हें एक घर नहीं दिया, बल्कि आत्मनिर्भरता की दिशा में भी प्रेरित किया है। श्री प्रेमसाय और उसकी पत्नी ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त किया।

पोषक विद्यालय संपर्क अभियान पर बिहारपुर में हुई कार्यशाला

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। मंगलवार को जिले के बिहारपुर बालक व कन्या विद्यालय में कार्यशाला का आयोजन किया गया। दो पालियों में आयोजित कार्यशाला के दौरान पहले शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ततपश्चात कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिहारपुर के कक्षा 11 वीं एवं 12वीं के छात्र-छात्राओं को, महाविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया, परीक्षा पद्धति ,महाविद्यालय में आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों, महाविद्यालय में अध्ययन

अध्यापन ,विषय पाठ्यक्रम महाविद्यालय में ग्रंथालय, शौचालय सुविधा एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत रोजगारपरक शिक्षा आदि के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया । इस अवसर पर दोनों विद्यालयों के प्राचार्य सहित समस्त स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यशाला को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में प्राचार्य जे आर पैकरा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के नोडल प्राध्यापक धीरेंद्र कुमार जायसवाल दोनों विद्यालय में संपर्क अभियान दल के संयोजक आभा रंजना कुजूर एवं सचिन कुमार मिंज तथा सदस्य के रूप में पिंटू कुमार शिखा पाठक चंद्रदेव राजवाड़े प्रियांशु जायसवाल अखिलेश रवि सीमा राजवाड़े तथा दोनों विद्यालय के प्राचार्य नारायण प्रसाद शर्मा एवं अरुण कुमार राठौर तथा शिक्षक राज कुमार जायसवाल अखिलेश तिवारी शंकर गोपाल रामाधीन तिवारी पुनीत साहू विजय कुमार राठौर हरीशंकर डहरिया , राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत एम्बेसडर छात्र छात्रा शुभम जायसवाल, सरोज सिंह, विजय प्रताप सिंह, रविन्द्र साहू, आस्था गिरि व अन्य कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सीखना और सिखाना ही है जीवन का सौन्दर्य : डॉ सीमा

कन्या महाविद्यालय की छात्राओं को भूगोल विषय की दी गई जानकारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सीखना एक निरंतर प्रक्रिया है, सीखा हुआ ज्ञान अनुभव जन्य होता है और

अनुभवातीत तथ्य ही जीवन पर्यंत स्थायी स्मृति का भाग हो जाता है। प्रकृति की ओर लौटने पर ही मनुष्य को तोष प्राप्त होता है और हम वास्तविक आदर्श नागरिक का दर्जा प्राप्त करते हैं। सीखना और सिखाना ही जीवन है, जीवन का सौन्दर्य है। भूगोल विषय हमें प्राकृतिक बनाता है, अनुशासित करता है होली क्रॉस विमेंस कॉलेज अंबिकापुर की भूगोल विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ सीमा मिश्रा ने यहां के शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय की छात्राओं के समक्ष उक्ताशय के विचार व्यक्त किये। कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य बृजलाल साहू ने भूगोल विषय को अन्तः अनुशासनिक विषय निरुपित करते हुए अपने जीवनानुभव को सभा में साझा किया।

विभागाध्यक्ष-भूगोल संदीप कुमार सोनी ने अतिथि वक्ता का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। व्याख्यान का संचालन वनस्पति शास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ धनंजय पाण्डेय ने किया। उल्लेखनीय है कि पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से भूगोल विषय में अधिगम की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया गया। इस अवसर पर कन्या महाविद्यालय के अधिकारी कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 9713108088
8719000259

कोरिया फ्रंटलाइन

श्रीरामलला दर्शन योजना

मुख्यमंत्री की सौगात से जिले के श्रद्धालुओं को मिल रहा रामलला की दर्शन का सौभाग्य

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। छत्तीसगढ़ सरकार की श्रीरामलला दर्शन योजना से एमसीबी जिले के लिए किसी सौगात से कम नहीं है। इस योजना के माध्यम से यहॉ के श्रद्धालुओं का वर्षों पुराना सपना साकार हो रहा है। योजना के अंतर्गत जिले वासियों को नि:शुल्क अयोध्या धाम और काशी में बाबा विश्वनाथ के दर्शन करवाए जा रहे हैं। विशेष ट्रेनों के माध्यम से श्रद्धालुओं को यात्रा की सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं, जहां उन्हें उत्कृष्ट व्यवस्था के साथ धार्मिक स्थलों का दर्शन कराया जा रहा है। अयोध्या और काशी की यात्रा किसी भी श्रद्धालु के लिए आध्यात्मिक सुख और जीवन का महत्वपूर्ण अवसर है। इस योजना के माध्यम से एमसीबी जिले के लोग अपने आराध्य श्रीरामलला और बाबा विश्वनाथ के दर्शन कर रहे हैं। इस योजना ने श्रद्धालुओं के लिए एक ऐसी सुविधा प्रदान की है, जो न केवल उनकी आस्था को मजबूत कर रही है बल्कि समाज में सकारात्मक वातावरण का निर्माण कर भी रहा है। जिला एमसीबी के श्री ओमप्रकाश जैन अपनी पत्नी के साथ श्री रामलला के दर्शन करने गए थे। यात्रा के बाद उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की इस योजना ने उनके जैसे आम लोगों को भी अयोध्या और काशी के दर्शन का अवसर प्रदान किया है। उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान सारी व्यवस्थाएं भावुक होते हुए कहा कि बेहतरीन था। और किसी को किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं हुई। खाने-पीने की उत्तम व्यवस्था के साथ-साथ स्वास्थ्य सुविधाओं का भी ध्यान रखा गया। श्री ओमप्रकाश जैन ने अयोध्या धाम में श्री रामलला के दर्शन करना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। यह अवसर हमें मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की वजह से मिला है। उन्होंने अपना वादा निभाया और हमारे लिए यह अविस्मरणीय अनुभव बना दिया। उनकी पत्नी ने भी यात्रा के अनुभव को साझा करते हुए बताया कि पूरे सफर के दौरान महिलाओं के लिए विशेष ध्यान रखा गया। ट्रेन में स्वच्छता से लेकर सुरक्षा तक की सारी व्यवस्था बहुत अच्छी थी। उन्होंने कहा कि इस यात्रा के दौरान हमने कभी यह महसूस नहीं किया कि हम किसी प्रकार की परेशानी में हैं। यात्रा बहुत सुखद और आनंदमयी रही।

जिले में बढ़ती रही श्रद्धालुओं की संख्या

श्री रामलला दर्शन योजना के अंतर्गत एमसीबी जिले से अब तक कुल 6 बार विशेष ट्रेन के माध्यम से श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम की यात्रा करा चुके हैं। इस जिले से लगभग 322 श्रद्धालुओं को श्री रामलला के दर्शन का अवसर मिला है। यात्रा से लौटने वाले श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री और राज्य शासन का बार-बार आभार व्यक्त किया। यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं ने बताया कि उनके लिए यह जीवन का सबसे महत्वपूर्ण और सुखद अनुभव रहा। यात्रा कर लौटे श्रद्धालुओं का कहना है कि मुख्यमंत्री ने हमें यह अवसर देकर हमारे जीवन की सबसे बड़ी इच्छा पूरी कर दी है। हम भगवान श्रीरामलला के दर्शन कर पाए, यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है। यात्रा के दौरान हमें किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। व्यवस्था इतनी बेहतरीन थी कि हमें घर जैसा अनुभव हुआ।

सुरक्षा और सुविधाओं का दिया जा रहा विशेष ध्यान

यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए गए थे। खाने-पीने की उत्तम व्यवस्था के साथ-साथ स्वास्थ्य सुविधाओं का भी ध्यान रखा गया। ट्रेन में सफाई की व्यवस्था इतनी अच्छी थी कि यात्रियों ने विशेष रूप से इसका जिक्र किया। यात्रा के दौरान सभी यात्रियों को समय-समय पर भोजन और नाश्ते की सुविधा उपलब्ध कराई गई। इसके साथ ही बुजुर्गों और महिलाओं के लिए विशेष सुविधा और सहारा उपलब्ध था। श्रद्धालुओं ने बताया कि यात्रा के दौरान न केवल हमारी जरूरतों का ध्यान रखा गया, बल्कि पूरे सफर को आनंददायक बनाने के लिए हर छोटी-बड़ी बात पर विषेश ध्यान दिया गया। सरकार की इस योजना ने हमें यह महसूस कराया कवे हमारी आस्था और भावनाओं का सम्मान करते हैं।

श्रद्धालुओं ने अपनी यात्रा के सुखद अनुभव को किया साझा

एमसीबी जिले के कई श्रद्धालुओं ने अपनी यात्रा के अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि अयोध्या धाम पहुंचकर जब उन्होंने श्री रामलला के दर्शन किए, तो उनकी आंखों में आंसू आ गए। यह उनके जीवन का सबसे यादगार पल था। उन्होंने कहा कि अयोध्या में रामलला के दर्शन का अनुभव शब्दों में बयां करना मुश्किल है। यह सिर्फ एक यात्रा नहीं थी, बल्कि हमारे लिए जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य था। वहीं श्री ओमप्रकाश जैन ने यात्रा को याद करते हुए कहा कि यात्रा के दौरान हमें हर तरह की सुविधा मिली। सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि हमें किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। खाने-पीने से लेकर आराम करने तक की सारी व्यवस्थाएं बहुत ही व्यवस्थित थीं।

मुख्यमंत्री के प्रति श्रद्धालुओं ने जताया आभार व्यक्त

यात्रा से लौटे श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों और जिले वासियों से किया गया अपना वादा निभाया है। यह योजना न केवल श्रद्धालुओं के लिए एक अवसर है बल्कि यह छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक और धार्मिक आस्था को भी सशक्त बना रही है। श्रद्धालुओं ने बताया कि हमारे मुख्यमंत्री ने हमें भगवान श्रीरामलला और बाबा विश्वनाथ के दर्शन करवाकर हमारी वर्षों पुरानी मनोकामना पूरी कर दी। उनके प्रति हम सदैव कृतज्ञ रहेंगे।

जिले में हो रहा श्री रामलला दर्शन योजना का व्यापक असर

श्रीरामलला दर्शन योजना का असर पूरे प्रदेश में देखने को मिल रहा है। यह योजना न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि यह सामाजिक एकता और सद्भाव को भी बढ़ावा दे रही है। प्रदेश के विभिन्न जिलों से लोग इस यात्रा में शामिल होकर अपने जीवन का सबसे सुखद अनुभव प्राप्त कर रहे हैं। जिला एमसीबी के श्रद्धालु इस योजना के माध्यम से बार-बार अयोध्या और काशी की यात्रा पर जाना चाहते हैं। श्रद्धालुओं का कहना है कि यदि अवसर मिला तो हम लोग दोबारा यह यात्रा करना चाहेंगे।

नगरीय निकाय चुनाव की वार्ड आरक्षण/महिला लॉटो की कार्यवाही कल

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में पंचायत निर्वाचन आरक्षण, जिला सदस्य जनपद अध्यक्ष एवं जनपद सदस्य, पंचायत सदस्य, नगरीय निकाय और नगर पंचायत आम निर्वाचन 2024 के तहत नगरपालिक निगम चिरमिरी और नगर पंचायत जनकपुर वार्ड के आरक्षण की प्रक्रिया 19 दिसंबर 2024 को आयोजित की जाएगी। इस संबंध में कलेक्टर डी. राहुल वेंकट की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार, उप जिला निर्वाचन अधिकारी सी.एस. पैकरा, संबंधित सेक्टर अधिकारी, पीठासीन अधिकारी और निर्वाचन संचालन के आरओ सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने जानकारी दी कि छत्तीसगढ़ नगरपालिका (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग एवं महिला) नियम 1994 के प्रावधानों के तहत जिले के नगरीय निकायों और नगर पंचायतों के वार्डों का आरक्षण 19 दिसंबर को किया जाएगा। नगरपालिक निगम चिरमिरी की 40 वार्ड की आरक्षण महिला लॉटो की कार्यवाही 3 बजे से और नगर पंचायत जनकपुर के 15 वार्डों का आरक्षण महिला लॉटो की कार्यवाही 19 दिसम्बर को 2 बजे तक निर्धारित समय में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में होगा। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि आरक्षण की इस प्रक्रिया के दौरान आम नागरिक भी उपस्थित हो सकते हैं। प्रक्रिया के दौरान पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि आरक्षण प्रक्रिया के लिए महिला लॉटो के प्रवर्गवार स्थानों का आवंटन किया जाएगा, जिसे जिले के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में पूरा किया जाएगा। इस बैठक में नाम वापसी से जुड़ी प्रक्रिया पर भी चर्चा की गई। कलेक्टर ने बताया कि नाम वापसी की प्रक्रिया केवल आरओ द्वारा ही की जाएगी और इसके लिए नाम वापसी का मूल पावती पत्र आवश्यक होगा। इसके अतिरिक्त, नाम वापसी की प्रक्रिया को रिकॉर्ड में रखने के लिए उसका वीडियो और फोटो भी बनाए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन

बैकुंठपुर। जिला प्रशासन ने बैकुण्ठपुर तहसील के तरगवां (हायर सेकेण्डरी स्कूल) में 27 दिसम्बर 2024 को जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने जिला अधिकारियों से कहा है कि उक्त शिविर में पहुंचकर महत्वपूर्ण योजनाओं के बारे में आम लोगों को अवगत कराएं। श्रीमती त्रिपाठी ने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा है कि इस शिविर में बड़ी संख्या में आए और अपनी समस्याओं को दर्ज कराएं। बता दें जनसमस्या निवारण शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान करना और जनहित के मुद्दों पर तत्परता से कार्यवाही करना है।

रामगढ़ धान खरीदी केंद्र पर 60 क्विंटल अवैध धान जप्त

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। कलेक्टर के निर्देशानुसार एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सोनहत के मार्गदर्शन में रामगढ़ धान खरीदी केंद्र पर 16 दिसंबर को 60 क्विंटल अवैध धान जब्त किया गया। नायब तहसीलदार परमानंद कौशिक ने आकस्मिक निरीक्षण के दौरान पाया कि सेमरिया निवासी किसान शिवकुमार पिता सरजू राम के नाम पर लाए गए 150 बोरी (60 क्विंटल) धान का वास्तविक स्वामित्व सुरेश कुमार पिता बरमलाल का है। पूछताछ में दोनों किसानों ने स्वीकार किया कि धान शिवकुमार के नाम पर अवैध रूप से विक्रय के लिए लाया गया था। अधिकारियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 60 क्विंटल धान को जप्त कर धान खरीदी केंद्र के समिति प्रबंधक गोविंद प्रसाद दुबे के सुपुर्द कर दिया। मंडी अधिनियम के तहत दोषियों पर कार्रवाई के लिए प्रतिवेदन उच्च अधिकारियों को भेजा गया है। मिली जानकारी के अनुसार धान खरीदी केंद्र रामगढ़ में निरीक्षण के दिन 187 क्विंटल धान का समर्पण भी कराया गया।

जनदर्शन में आए 15 आवेदन

आम नागरिकों से मिलने वाले आवेदनों का निराकरण समय-सीमा पर करें: कलेक्टर

एमसीबी। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनदर्शन के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं को सुना। जिले के ग्रामीण जन और नागरिकों ने जनदर्शन में अपनी छोटी-बड़ी समस्याओं को सीधे कलेक्टर के समक्ष रखा। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ शीघ्रता से समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। जनदर्शन में आज कुल 15 आवेदन प्राप्त हुए। आज के जनदर्शन में आवेदक संजू सिंह निवासी मनेन्द्रगढ़ मेरा मजदूरी का पैसा को मालिक के द्वारा न दिये जाने के संबंध में, श्रीकांत निवासी बिछियाटोला खेल में आर्थिक सहयोग प्रदान करने के संबंध में, राम सिंह निवासी डोमना पंजीयन किये जाने के संबंध में, अश्विनी कुमार निवासी मनेंद्रगढ़ विद्युतीकरण समाग्री के राशि का भुगतान करने के संबंध में, अभय बड़ा पार्षद निवासी मनेंद्रगढ़ गैस कनेक्शन के लिए खोदे जा रहे गड्ढे से दुर्घटना होने के सम्भावना के संबंध में, समस्त ग्राम वासी घाघरा स्वास्थ अधिकारी को आरोग्य मंदिर घाघरा में पदस्य किये जाने के संबंध में, समस्त ग्राम वासी बहेराटोला शिक्षक को पदस्य किये जाने के संबंध में, मीरा देवी गाँव चनवारीडांड शौचालय निर्माण में सहयोग के संबंध में, रवि शंकर मिश्रा साल्ही नामांतरण के संबंध में, गुलाब कली घटई आवास प्रदाय किये जाने के संबंध में, भैया लाल भूमि के संबंध में, रामऔतार निवासी मनेंद्रगढ़ भूमि के संबंध में, रवि कुमार परसगढ़ी भूमि के संबंध में, जय राम निवासी बौरीडांड धान खरीदी में कम टोकन काटने के संबंध में, देव नारायण ताराबहरा भूमि के संबंध में, अपना शिकायत लेकर उपस्थित हुए थे। कलेक्टर ने प्राप्त सभी आवेदनों को पूरी गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों को उचित कार्यवाही करते हुए त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना: कोरिया जिले में बढ़ी रुचि, 300 घरों का लक्ष्य

सौर ऊर्जा ग्रीन एनर्जी है और पर्यावरण के अनुकूल

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना कोरिया जिले में तेजी से लोकप्रिय हो रही है। इस योजना का उद्देश्य घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाकर बिजली बिल से मुक्ति दिलाना और ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है। जिले में 300 घरों में सोलर रूफटॉप प्लांट लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अब-तक 39 लाभार्थियों ने इस योजना के लिए पंजीयन करवा लिया है। वहीं, मोबाइल ऐप के माध्यम से 2,000 से अधिक लोगों ने रुचि दर्ज कराई है। बैकुंठपुर-तलवापारा निवासी श्री विष्णु पटेल और स्कूलपारा निवासी श्री मिथिलेश कुमार ने क्रमश: 3 किलोवाट और 2 किलोवाट के सोलर पैनल लगवाने का

निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि इस योजना की जानकारी समाचार पत्रों से मिली और उन्होंने तुरंत विद्युत विभाग से संपर्क किया। दोनों लाभार्थियों ने कहा कि इससे न केवल बिजली बिल में राहत मिलेगी, बल्कि वे ऊर्जा आत्मनिर्भर भी बनेंगे।

योजना के तहत, सोलर पैनल की कुल लागत का एक हिस्सा सरकार द्वारा सब्सिडी के रूप में दिया जा रहा है। दो किलोवाट तक की सौर इकाई पर 60 प्रतिशत सब्सिडी। दो से तीन किलोवाट तक की क्षमता पर 40 प्रतिशत सब्सिडी दी जा रही है। अधिकतम 78,000 रुपये तक की सब्सिडी दी जा रही है। योजना का लाभ लेने के लिए नागरिकों को ऑनलाइन पंजीयन करना होगा। पंजीयन के बाद पात्र हितग्राहियों को बैंक खाते की जानकारी और कैंसिल चेक जमा करना होगा। सब्सिडी की प्रक्रिया पूर्ण होने में लगभग 30 दिन का समय लगेगा।

कलेक्टर ने की अपील

कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने जिलेवासियों से योजना का लाभ उठाने की अपील की है। उन्होंने कहा, 'सौर ऊर्जा ग्रीन एनर्जी है और यह पर्यावरण के अनुकूल है। छत पर सोलर पैनल लगाने से बिजली मुफ्त में उपलब्ध होगी और बची हुई बिजली पावर कंपनी को देकर अतिरिक्त लाभ भी मिलेगा।' कलेक्टर ने आम बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के पोर्टल या मोबाइल ऐप पर पंजीयन कराकर अपने घर को सौर ऊर्जा से रोशन करें और ऊर्जा आत्मनिर्भर बनें।

नपा परिषद का आरक्षण की कार्यवाही कल

एमसीबी। छत्तीसगढ़ नगर पालिका अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग एवं महिलाओं के लिए वार्डों का आरक्षण नियम 1994 के तहत् नगर पालिका परिषद् मनेंद्रगढ़ के वार्डों का आरक्षण की कार्यवाही दिनांक 17 दिसम्बर 2024 समय दोपहर 03:00 बजे से कार्यालय कलेक्ट्रेट के सभा कक्ष में सम्पन्न करायी जानी थी। जिसे स्थगित करते हुए आगामी दिनांक 19 दिसम्बर 2024 को दोपहर 01:00 बजे कार्यालय कलेक्ट्रेट के सभा कक्ष में आरक्षण की कार्यवाही सम्पन्न करायी जायेगी।

जिला अस्पताल में निशुल्क हृदय रोग जांच शिविर का आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। सुशासन के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (चिरायु) के तहत जिला अस्पताल परिसर में निशुल्क हृदय रोग जांच शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देशानुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी/सिविल सर्जन डॉ. आयुष जायसवाल के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत सदस्य श्रीमती वंदना राजवाड़े और जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सौभाग्यवती खुसरो द्वारा दीप प्रज्वलन और

छत्तीसगढ़ महतारी एवं सरस्वती जी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर किया गया। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए इसकी सराहना की। शिविर में 0 से 18 वर्ष के चिन्हांकित बच्चों का निशुल्क हृदय रोग जांच एवं इको परीक्षण किया गया। रायपुर से आए विशेषज्ञ डॉक्टर अनूप सिंह (कार्डियोलॉजिस्ट) और डॉ. निखिल ने बच्चों का स्क्रीनिंग, ईको और परामर्श किया। यदि किसी बच्चे में हृदय संबंधी समस्या पाई जाती है, तो उसका निशुल्क इलाज श्री सत्य सांई संजीवनी हॉस्पिटल, नया रायपुर में किया जाएगा। शिविर में अब-तक 60 बच्चों का पंजीयन हुआ, जिनमें से 49 बच्चों की जांच पूरी हो चुकी है। इनमें 23 बच्चों में हृदय रोग के लक्षण पाए गए हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आयुष जायसवाल ने शिविर की जानकारी देते हुए कहा कि ऐसे शिविरों से बच्चों के गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं की समय पर पहचान होती है और बेहतर उपचार सुनिश्चित किया जाता है। जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. अशरफ अंसारी ने कार्यक्रम के सफल आयोजन पर सभी अधिकारियों और स्वास्थ्य टीम का आभार व्यक्त किया।

शिविर को सफल बनाने में डॉ. अभय (नोडल अधिकारी), डॉ. अभिषेक गढ़ेवाल, टीबी विभाग के जिला समन्वयक श्री शिशिर जायसवाल, अस्पताल सलाहकार प्रियंका कुरील, उप जिला विस्तार एवं माध्यम अधिकारी सरोजनी राय, स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी एवं आरबीएसके टीम का विशेष योगदान रहा।

जिले में मनाया जा रहा सुशासन दिवस

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देशन एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालिका अधिकारी श्री अभिषेक कुमार के मार्गदर्शन में सुशासन का संकल्प चक्र का आयोजन कर ज़िले के 32 जगहों में सुशासन दिवस मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में विगत दिवस कुनकुरी विकासखंड के नारायणपुर में संकल्प कलस्टर संगठन कर सुशासन दिवस मनाया गया।

सुशासन का संकल्प चक्र में महिला समूह के माध्यम से विभिन्न गतिविधि आयोजित की गई हैं। साथ ही इस दौरान महिलाओं को बताया गया कि सामुदायिक स्वच्छता व पौधारोपण अभियान, स्वास्थ्य जांच शिविर, शिक्षा और जागरूकता, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण, सामुदायिक विकास कार्यक्रम सहित अन्य एक्टिविटी के माध्यम से महिला समूह सुशासन का संकल्प चक्र में महत्वपूर्ण योगदान कर सकती हैं और समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकती हैं। महिला समूह सामुदायिक स्वच्छता अभियान चला कर अपने आसपास के क्षेत्र को साफ कर सकती है। इसी प्रकार पौधारोपण अभियान में महिला समूह पौधारोपण अभियान चला कर अपने आसपास के क्षेत्र में पौधे लगा सकती हैं और पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूक कर सकती हैं। स्वास्थ्य जांच शिविर के माध्यम से महिला समूह शिविर आयोजित कर स्वास्थ्य जांच की सुविधा प्रदान कर सकती हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दरीपारा अम्बिकापुर (छ.ग.) पिन नं. 497001 से मुद्रित व महलपारा बैकुण्ठपुर से प्रकाशित। संपादक- कमलेश शर्मा